केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

18 अप्रैल 2025

शुक्रवार

महागठबंधन ने किया तय तेजस्वी ही नेता, को-ऑर्डिनेशन कमेटी के बने अध्यक्ष

2

वक्फ एक्ट पर दाऊदी बोहरा समाज ने दी सहमती

किया स्वागत

एजेंसी/नई दिल्ली

दाऊदी बोहरा समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और वक्फ कानून में हाल ही में किए गए संशोधनों के लिए उनका आभार जताया। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि ये संशोधन समाज की चिर-लंबित मांगों में थे, जिसे पूरा कर प्रधानमंत्री ने उनके विश्वास को मजबूत किया है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री की सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति में पूर्ण आस्था जताई और कहा कि सरकार की ओर से लिए गए निर्णय सभी वर्गों के समावेश और प्रगति के उद्देश्य को दशार्ते हैं। उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे सकारात्मक बदलावों की सराहना की और समाज की ओर से उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने भी दाऊदी

बोहरा समाज के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए देशहित में समाज के योगदान की सराहना की और विश्वास दिलाया कि सरकार हमेशा सभी समुदायों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

देश के कुछ हिस्सों में विरोध प्रदर्शन

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति की हरी झंडी मिल चुकी है और सरकार ने इसे लागू करने के लिए अधिसूचना भी जारी कर दी है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इसके कुछ प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाई है। वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर देश के कुछ हिस्सों में विरोध-प्रदर्शन की घटनाएं भी सामने आई हैं। खासकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, सुती, धुलियान, जंगीपुर समेत कई इलाकों से हिंसात्मक घटनाएं हुई हैं। संशोधनों से नाराज कुछ लोग इसे मुस्लिम विरोधी बता रहे हैं। झड़प में कई लोग जख्मी हो गए थे। कई सरकारी संपति का नुकसान हुआ था। दूसरी तरफ, यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका है। लगातार दूसरे दिन सुनवाई करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन की मोहलत दी है। सरकार ने अदालत को भरोसा दिलाया कि इस दौरान डिनोटिफिकेशन या वक्फ बोर्ड में नई नियुक्ति नहीं की जाएगी। अब अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

वक्फ एक्ट को असंवैधानिक मानते हैः ओवैसी

गर्म हुई सियासत

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन एक्ट की संवैधानिक वैधता के खिलाफ दायर याचिकाओं पर जवाब देने के लिए केंद्र सरकार को 7 दिन का समय दिया है। कोर्ट ने साथ ही यह भी कहा कि इस बीच केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्डों में कोई नियुक्ति नहीं होनी चाहिए। उधर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद सियासी पारा हाई है। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ एक्ट की सुनवाई पर सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हम इस एक्ट को असंवैधानिक मानते हैं। कोर्ट ने कहा है कि सेंट्रल वक्फ काउंसिल और स्टेट वक्फ काउंसिल का गठन नहीं किया जाएगा और वक्फ बाय यूजर को हटाया नहीं जा सकता। जेपीसी की चर्चा के दौरान मैंने सरकार द्वारा प्रस्तावित सभी संशोधनों का विरोध करते हुए एक रिपोर्ट दी थी और बिल पर बहस के दौरान मैंने बिल

को असंवैधानिक बताया था। इस एक्ट के खिलाफ हमारी कानूनी लड़ाई जारी रहेगी।

वक्फ संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि अंतरिम राहत के लिए मैं सुप्रीम कोर्ट का शुक्रगुजार हूं। कोर्ट ने लगभग वे सभी मुद्दे उठाए जो हमने संसद में उठाए थे। आज के फैसले से पता चलता है कि यह कानून संविधान के खिलाफ बनाया गया है। यह संविधान की जीत है, किसी पक्ष की नहीं। आने वाले दिनों में कोर्ट और राहत देगा और सरकार की जमीन हड़पने की साजिश को रोकेगा। आप नेता अमानतुल्लाह खान ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट, जजों और अधिवक्ताओं का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने धर्म से ऊपर उठकर देश की रक्षा करने में हमारी मदद की। हम फैसले से संतुष्ट हैं क्योंकि केंद्र सरकार ने कोर्ट में कहा कि वक्फ-बाय-यूजर के तहत संपत्तियां वक्फ के पास ही रहेंगी और वक्फ बोर्ड के सदस्यों से भी हस्तक्षेप नहीं होगा। केंद्र सरकार 7 दिन में जवाब देगी, डीएम कोर्ट से ऊपर कैसे हो सकता है - वह प्रावधान (अधिनियम से) निश्चित रूप से हटाया जाएगा। वक्फ बोर्ड वैसे ही बना रहेगा। केंद्र ने हाल ही में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को अधिसूचित किया था, जिसे दोनों सदनों में तीखी बहस के बाद संसद से पारित होने के बाद 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा में विधेयक के पक्ष में 128 और विरोध में 95 सदस्यों ने मत दिया। वहीं, लोकसभा में इसके पक्ष में 288 तथा विरोध में 232 वोट पड़े। इस तरह यह दोनों सदनों से पारित हो गया था।

उपराष्ट्रपति ने न्यायपालिका की भूमिका पर उठाये गंभीर सवाल

राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकते हैं जज सुपर संसद की तरह कर रहे काम: धनखड़

- उपराष्ट्रपति ने राज्यसभा के छठवी बैच के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए दिया बड़ा बयान

एजेंसी/नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 145(3) के तहत सुप्रीम कोर्ट को केवल संविधान की व्याख्या करने का अधिकार है और वह भी कम से कम 5 जजों की पीठ द्वारा उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं ला सकते, जहां राष्ट्रपति को निर्देश दिया जाए। संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट का अधिकार केवल अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने कहा कि जब यह अनुच्छेद बनाया गया था, तब सुप्रीम कोर्ट में केवल 8 जज थे और अब 30 से अधिक हैं। हालांकि, आज भी 5 जजों की पीठ ही संविधान की व्याख्या करती है। उपराष्ट्रपति ने पूछा कि क्या यह न्यायसंगत है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि राष्ट्रपति को कोर्ट की ओर से निर्देशित किया जाएगा। राष्ट्रपति भारत की सेना की सर्वोच्च कमांडर हैं और केवल वही संविधान की रक्षा, संरक्षण और सुरक्षा की शपथ लेते हैं। फिर उन्हें एक निश्चित समय में निर्णय लेने का आदेश कैसे दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाल ही में जजों ने

उपराष्ट्रपति ने कहा कि नकदी मिलने के बाद भी जज के खिलाफएफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने कहा, 'इस देश में किसी के भी खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा सकती है, किसी भी संवैधानिक पदाधिकारी के खिलाफ, जिसमें आपके सामने वाला भी शामिल है। किसी को केवल कानून के शासन को सक्रिय करना है। किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। लेकिन अगर यह न्यायाधीश हैं, उनकी श्रेणी,एफआईआर सीधे तौर पर दर्ज नहीं की जा सकती है। इसे न्यायपालिका में संबंधित द्वारा अनुमोदित किया जाना है, लेकिन यह संविधान में नहीं दिया गया है।

राष्ट्रपति को लगभग आदेश दे दिया और उसे कानून की तरह माना गया, जबकि वे संविधान की ताकत को भूल गए। अनुच्छेद 142 अब लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ एक न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है, जो चौबीसों घंटे न्यायपालिका के पास उपलब्ध है।धनखड़ ने आधारभूत संरचना सिद्धांत को लेकर भी पूर्व न्यायाधीशों पर निशाना साधा। उन्होंने एक पूर्व जज की ओर से लिखित पुस्तक के विमोचन समारोह का जिक्र किया, जिसमें इस सिद्धांत की प्रशंसा की गई थी। उन्होंने कहा कि केशवानंद भारती केस में 13 जजों की पीठ थी और फैसला 7 अनुपात 6 से हुआ था। इसे अब हमारी रक्षा का आधार बताया जा रहा है, लेकिन उसी के दो साल बाद 1975 में आपातकाल लगाया गया। लाखों लोगों को जेल में डाला गया और सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकार लागू नहीं होंगे। धनखड़ ने कहा कि कोई भी जांच कार्यपालिका का क्षेत्र है। उन्होंने सवाल किया कि तीन न्यायाधीशों की एक समिति नकदी जब्ती मामले की जांच विलंब कर रही है।

अनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ परमाणु मिसाइल बन गया है

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका पर तीखा हमला किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। यह फैसला राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय सीमा तय करता है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि ऐसी स्थिति नहीं होनी चाहिए जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 142 को लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ परमाणु मिसाइल बताया। राज्यसभा के इंटर्न के 6वें बैच को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से भारी मात्रा में नकदी मिलने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, '14 और 15 मार्च की रात नई दिल्ली में एक जज के घर पर एक घटना हुई। सात दिनों तक किसी को इसके बारे में पता नहीं चला। हमें खुद से सवाल पूछने होंगे। क्या इस देरी को समझा जा सकता है? क्या इसे माफ किया जा सकता है? क्या इससे कुछ बुनियादी सवाल नहीं उठते? किसी भी सामान्य स्थिति में, और सामान्य स्थितियां कानून के शासन को परिभाषित करती हैं। चीजें अलग होतीं। हमारे पास ऐसी स्थिति नहीं हो सकती जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देशित करें और किस आधार पर। यह संविधान के प्रावधानों के पूर्ण विपरित कार्य हो रहा है।

बंगाल सरकार ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर पेश की रिपोर्ट में कहा... हालात काबू में

- अशांत इलाकों में फिलहाल केंद्रीय बलों की करीब 17 कंपनियां तैनात
- मुर्शिदाबाद में कानून-व्यवस्था की स्थिति फिलहाल नियंत्रण में

एजेंसी/कोलकता

कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रखने पर गुरुवार को आदेश सुरक्षित रख लिया। हाईकोर्ट ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल राज्य मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से एक-एक सदस्य वाला पैनल हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करे। जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस राजा बसु चौधरी की बेंच नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

केंद्र की ओर से पेश हुए वकील ने संवेदनशीलता को देखते हुए मुर्शिदाबाद में सीएपीएफ की तैनाती बढ़ाने की मांग रखी। जिले के सुती और समसेरगंज-धुलियान के अशांत इलाकों में फिलहाल केंद्रीय बलों की करीब 17 कंपनियां तैनात हैं। एक याचिका में हिंसा से विस्थापित लोगों की उनके घरों में वापसी के लिए राज्य सरकार की तरफ से कदम उठाए जाने का अपील की। कोर्ट में अपनी दलील पेश करते हुए पश्चिम बंगाल सरकार ने एक रिपोर्ट पेश की और दावा किया कि मुर्शिदाबाद में कानून-व्यवस्था की स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। राज्य ने यह भी कहा कि कुछ प्रभावित परिवार पहले ही अपने घरों को लौट चुके हैं। इधर, बंगाल पुलिस ने जाफराबाद में हिंसक प्रदर्शन के दौरान पिता-पुत्र की हत्या करने वाले मास्टरमाइंड में से एक को गिरफ्तार किया है। आरोपी इंजामुल हक को बुधवार देर रात जिले के सुती से गिरफ्तार किया गया।इलाके की बिजली काटी, सीसीटीवी भी तोड़ेअतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (दक्षिण बंगाल) सरकार ने बताया कि इंजामुल न केवल हत्या की योजना बनाने में शामिल था, बल्कि उसने इलाके में बिजली आपूर्ति बाधित करके और सीसीटीवी कैमरों को नष्ट करके सबूतों से छेड़छाड़ करने का अपराध भी किया।पुलिस ने इसी हफ्ते हत्या के सिलसिले में दो भाइयों, कालू नवाब और दिलदार नवाब को गिरफ्तार किया था। कालू को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास सुती में एक गांव से गिरफ्तार किया गया, जबकि दिलदार को झारखंड सीमा के पास बीरभूम के मुराराई से उठाया गया। राज्य पुलिस ने मुर्शिदाबाद के डीआईजी सैयद वकार रजा के नेतृत्व में 11 सदस्यों वाली रख्ळ भी बनाई है। जो जिले में इस और अन्य हिंसा के मामलों की जांच करेगी। दंगों के सिलसिले में अब तक जिले भर में 278 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पिछले चार दिनों में हिंसा की कोई नई घटना सामने नहीं आई है। प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति लौट रही है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस दो दिवसीय दौरे पर मालदा और मुर्शिदाबाद के शरणार्थी शिविरों और दंगा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे।

बेदाग शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत, सीएम ममता बनर्जी ने फैसले का किया स्वागत

एजेंसी/नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का स्वागत किया जिसमें उन बेदाग शिक्षकों की सेवाएं बढ़ा दी गई हैं जिन्हें भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर हुई अनियमितताओं की वजह से बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि अब उन्हें राहत मिली है। उच्चतम न्यायालय के उस फैसले से पश्चिम बंगाल सरकार को बड़ी राहत मिली जिसके मुताबिक उन बर्खास्त किए गए शिक्षकों की सेवाएं बढ़ा दी गई हैं, जिन्हें सीबीआई ने जांच के दौरान बेदाग पाया था। ममता ने शिक्षकों से चिंता न करने का आग्रह किया तथा उन्हें आश्वासन दिया कि समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि हम शीर्ष अदालत के आदेश से खुश हैं। अदालती आदेश से राहत महासूस हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं शिक्षकों से अनुरोध करूंगी कि वे चिंता न करें, समस्या का समाधान हो जाएगा। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने राज्य सरकार की इस दलील पर गौर किया कि विभिन्न स्कूलों में पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और नयी भर्ती में समय लगेगा।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष से पहले चुने जाएंगे राज्य इकाइयों के प्रमुख

एजेंसी/नई दिल्ली

भाजपा अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले पार्टी की कई प्रदेश इकाइयों के प्रमुखों का चयन कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह तथा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने पिछले कुछ दिनों में विचार-विमर्श किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले पार्टी की कई प्रदेश इकाइयों के प्रमुखों का चयन कर सकती है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक हाल ही में भाजपा के शीर्ष नेतृव की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई है। जिससे इस बात के संकेत मिलते हैं कि ज्यादातर राज्यों में संगठनात्मक बदलाव के लिए जारी कवायद जल्द ही पूरी हो जाएगी। नड्डा फरवरी 2020 में तीन साल के कार्यकाल के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत नए पाठ्यक्रम कार्यान्वयन का एक हिस्सा है

फडणवीस सरकार का बड़ा फैसला: कक्षा 1-5 के लिए हिन्दी अनिवार्य

एजेंसी/मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने फैसला किया है कि राज्य भर के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ना अनिवार्य होगा। यह दो भाषाओं के अध्ययन की प्रथा से अलग है। वहीं राज्य की राजनीतिक दल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने सरकार के इस फैसले की निंदा की है। मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी इस फैसले का कड़ा विरोध करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि इसे लागू न किया जाए। कक्षा 1 से 5 के लिए तीन-भाषा फॉमूर्ला

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत नए पाठ्यक्रम कार्यान्वयन का एक हिस्सा है। राज्य स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूली शिक्षा के लिए एनईपी 2020 की सिफारिशों के अनुसार तैयार किए गए नए पाठ्यक्रम ढांचे के चरणबद्ध कार्यान्वयन की योजना घोषित की है।

महाराष्ट्र पर दूसरे क्षेत्र की भाषा क्यों थोप रहें : राज

मुंबई। राज ठाकरे ने कहा कि मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मनसे इस फैसले को बर्दाश्त नहीं करेगी। हम केंद्र सरकार के हर चीज को हिंदीकृत करने के मौजूदा प्रयासों को इस राज्य में सफल नहीं होने देंगे। हिंदी कोई राष्ट्रीय भाषा नहीं है। यह देश की अन्य भाषाओं की तरह एक राज्य की भाषा है। इसे महाराष्ट्र में शुरू से ही क्यों पढ़ाया जाना चाहिए। आपका त्रिभाषी फॉमूर्ला जो भी हो, उसे सरकारी मामलों तक सीमित रखें, इसे शिक्षा में न लाएं। मनसे प्रमुख ने कहा कि आपने महाराष्ट्र पर दूसरे क्षेत्र की भाषा क्यों थोपना शुरू कर दिया है? भाषाई क्षेत्रीयकरण के मूल सिद्धांत को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हम हिंदू हैं, लेकिन हिंदी नहीं हैं। अगर आप महाराष्ट्र को हिंदी के रूप में चित्रित करने की कोशिश करेंगे, तो महाराष्ट्र में संघर्ष होना तय है। मनसे प्रमुख ने आश्चर्य जताया कि महाराष्ट्र पर हिंदी क्यों थोपी जा रही है। उन्होंने कहा कि क्या आप दक्षिणी राज्य में हिंदी थोपेंगे। मनसे प्रमुख ने कहा कि वे हम पर भाषाएं थोप रहे हैं कल वे ऐसे अन्य फतवे जारी करेंगे।

बिहार विस : महागठबंधन के नेताओं को सीएम का चेहरा को लेकर कोई कंफ्यूजन नहीं

महागठबंधन ने किया तय तेजस्वी यादव ही नेता, को-ऑर्डिनेशन कमेटी के बने अध्यक्ष

केटी न्यूज/पटना

पटना में गुरुवार को महागठबंधन की 3 घंटे चली बैठक के बाद तेजस्वी यादव को को-ऑर्डिनेशन कमेटी का अध्यक्ष चुन लिया गया है। इससे ये साफ है कि,महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी ही सीएम फेस होंगे।कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने सीएम फेस पर सीधे तो कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन यह जरूर स्पष्ट कर दिया कि तेजस्वी ही महागठबंधन को लीड करेंगे। सीएम फेस पर कोई कंफ्यूजन नहीं है। उन्होंने कहा कि एनडीए में सीएम फेस को लेकर भारी कंफ्यूजन है। वहीं, सीएम फेस पर तेजस्वी से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सभी बातों पर सहमति बन चुकी है, थोड़े इंतजार का मजा लीजिए, एक ही दिन में सब बता दें क्या। पशुपति पारस के महागठबंधन में शामिल होने के सवाल पर तेजस्वी ने कहा, आने वाली बैठक में इस बारे में निर्णय लिया जाएगा।'बैठक में आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी के साथ लेफ्ट की तीनों पार्टियां यानी सीपीएम, सीपीआई और सीपीआई-एम तीनों के नेता शामिल थे। राज्य से लेकर प्रखंड स्तर पर को-ऑर्डिनेशन कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया है। ये कमेटियां समय-समय पर आपस में बैठक कर काम करेंगी और अपने एजेंडे को एकजुटता से आगे बढाएंगी। चुनाव के दौरान रणनीति तैयार कर चुनाव लड़ा जाएगा। ताकि सभी सीटों पर जीत दर्ज की जा सके।

पांच करोड़ से ज्यादा लोग पलायन को मजबूर

बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने गरीब, नौजवान, महिलाओं, युवाओं के मुद्दों पर बात की। पलायन पर चर्चा की। बिहार के लोगों में बहुत गुस्सा है। 20 साल से यहां खटारा सरकार है। केंद्र की ही रिपोर्ट बताती है कि बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग पलायन कर चुके हैं, ये तो रजिस्टर्ड हैं। नॉन रजिस्ट्रेशन वाले 4 से 5 करोड़ लोग पलायन करने वाले हैं। बेरोजगारी, पलायन, अपराध में बिहार नंबर-1 है। गोपालगंज में लड़की को किडनैप करके गैंगरेप किया जाता है। सीएम के गृह जिला नालंदा में दुष्कर्म कर पैरों में कीलें ठोंक दी जाती हैं। पुलिस को भगाया जा रहा है। अपराधी बेलगाम हैं। तेजस्वी ने कहा, 'बिहार में कानून नाम की कोई चीज नहीं है। लॉ एंड ऑर्डर का क्रिमिनल डिसऑर्डर हो चुका है। इसके दोषी सिर्फ सीएम नीतीश नहीं हैं। उन्हें क्या कहें वो तो अचेत अवस्था में हैं, लेकिन नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह बार-बार बिहार आते हैं, उनको जवाब देना चाहिए। वो सब भी आपलोगों को आगे बताया जाएगा। हमारे गठबंधन में कहीं कोई कन्फ्यूजन नहीं है। मुकेश सहनी से जब सवाल किया गया कि 25 से 30 फिर से नीतीश का पोस्टर लगाया गया है। इसपर सहनी ने कहा कि बैठक में जाने से पहले मुकेश सहनी ने कहा कि एनडीए वाले कमजोर हैं, इसलिए चाहते हैं हम आ जाएं। इससे पहलेनालंदा में एक जनसभा में सहनी ने कहा है, 'इस बार महागठबंधन की सरकार बनेगी। छोटे भाई तेजस्वी उट बनेंगे, और मैं निषाद का बेटा डिप्टी उट।'पप्पू बोले- सीमांचल में कांग्रेस को अधिक सीट मिलनी चाहिए बैठक से पहले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने मांग की है कि सीमांचल, कोसी और मिथिलांचल में कांग्रेस को अधिक सीटें मिलनी चाहिए। सीमांचल और कोसी कांग्रेस की जमीन है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनहित का एक काम बताएं

अमित शाह के पास गृह मंत्रालय है। ये लोग मुद्दों पर बात नहीं करते। मोदी 11 साल से प्रधानमंत्री हैं, इन्होंने बिहार को क्या दिया। केवल ठगने का काम किया है।'लोगों ने भरोसा करके सबसे ज्यादा सांसद दिए। दर्जनभर मंत्री यहां से हैं, मंत्री अपनी एक उपलब्धि बता दें। 20 साल से डबल इंजन की सरकार का नेतृत्व मोदी-नीतीश कर रहे हैं। इनका एक काम बताएं। प्रति व्यक्ति आय में बिहार सबसे पीछे है। किसानों की आय में सबसे पीछे है। निवेश में सबसे पीछे है। इन लोगों ने कोई काम नहीं किया।'बैठक में महागठबंधन के बड़े नेता हुए शामिल महागठबंधन की बैठक में आरजेडी की ओर से तेजस्वी यादव, संजय यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी शामिल हुए। कांग्रेस की तरफ से बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा बैठक में मौजूद रहे। वीआईपी से पार्टी अध्यक्ष मुकेश सहनी, देव ज्योति, सीपीआई केडी यादव, अजय कुमार, कुणाल भी मीटिंग में शामिल होने पहुंचे थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुकेश सहनी ने कहा कि कोआर्डिनेशन कमेटी में हर पार्टी से दो लोग होंगे एक लीडर होंगे, एक सहयोगी। सभी लोगों को मिलकर एक डिसीजन लेना होगा। हमलोग ने कई पॉलिसी बनाई है।

सासाराम में मां-बेटे का एक साथ निकला जनाजा

केटी न्यूज/पटना

सासाराम के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चंद तन पीर पहाड़ी के पास मजनू गद्दी (35) नाम के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बेटे की मौत की खबर सुनते ही मां की भी हार्ट अटैक से मौत हो गई है। बेटे की हत्या की खबर सुनते ही आयशा खातून (55) की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उन्हें पहले स्थानीय निजी क्लिनिक ले गए। डॉक्टरों ने उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सासाराम के आलमगंज मोहल्ले में मां-बेटे का एक साथ जनाजा निकला। घटना के बाद से पूरे इलाके में मातम छाया हुआ है। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मोहल्ले में जुटे हैं। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने इस हत्याकांड में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ जारी है। मोहल्ले के लोगों से लड़के की लड़ाई थी। हालांकि, मर्डर का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस हर पहलु पर छानबीन कर रही है। इस संबंध में एसपी रोशन कुमार ने बताया कि हत्या में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। क्षेत्र में तनाव को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

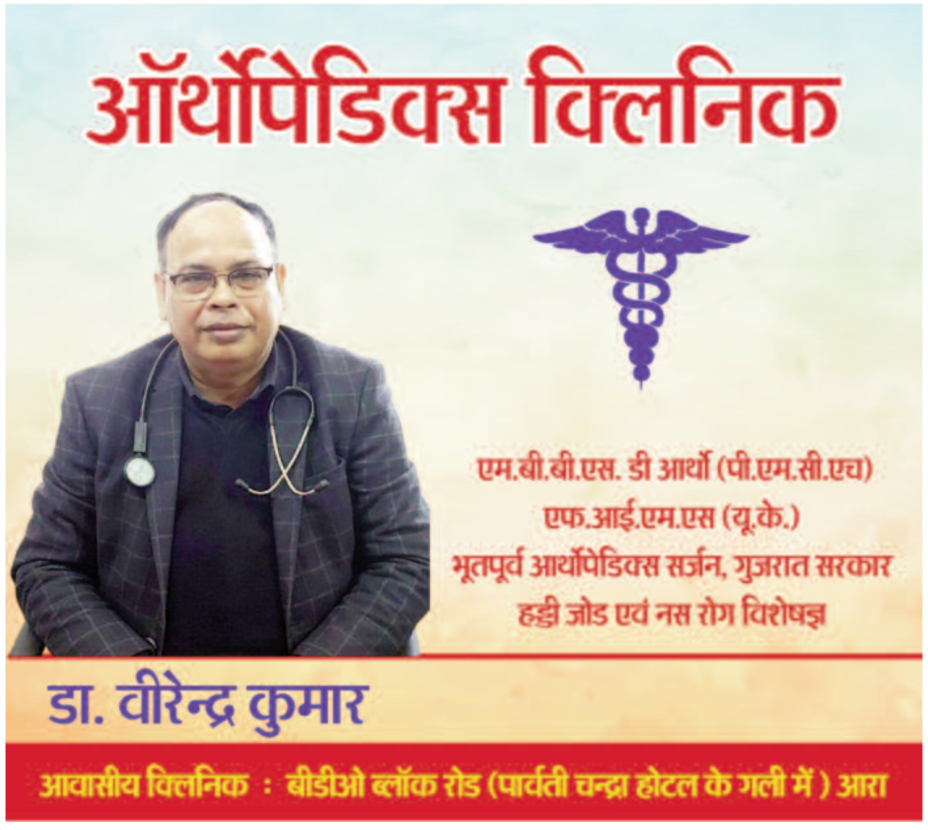

अवैध खनन रोकने गई टीम पर हमला अधिकारी समेत 4 जवान गंभीर रूप से जख्मी

केटी न्यूज/अररिया

अररिया में अवैध-खनन के खिलाफ कार्रवाई करने गई खनन और जल संसाधन विभाग की संयुक्त टीम पर हमला किया गया। घटना फारबिसगंज के रामपुर उत्तर पंचायत की है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर विभाग को पूर्णिया कनाल की 12 आरडी नहर से अवैध मिट्टी खनन की सूचना मिली थी। जिसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर एक ट्रैक्टर को जब्त किया।इसी दौरान 50-60 लोगों की भीड़ ने टीम पर हमला कर दिया। भीड़ ने जब्त ट्रैक्टर को छुड़ा लिया और फरार हो गई। हमले में खनन इंस्पेक्टर मो. अरमान समेत चार होमगार्ड जवान घायल हो गए। घायल जवानों में सनोज कुमार मंडल, बरुण कुमार सरदार, संजय कुमार विश्वास और उपेंद्र यादव शामिल हैं। सभी घायलों को सदर अस्पताल अररिया में भर्ती कराया गया है। अवैध-खनन की शिकायत पर कार्रवाई करने के लिए टीम गई थी। टीम

खनन इंस्पेक्टर ने बताया कि सिंचाई प्रमंडल बथनाहा से लगातार अवैध-खनन की शिकायतें मिल रही थीं। इसी के आधार पर छापेमारी की योजना बनाई गई थी। टीम के पहुंचने पर ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर भाग गया था। फारबिसगंज थाना प्रभारी राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। खनन विभाग की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है। हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध-खनन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई जारी रहेगी।

पैक्स अध्यक्षों को मिलेगा 15 लाख का ऋण

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के जिला सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान में बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार पहुंचे। सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान में बताया है कि बिहार में ऐसे किसान, जो सब्जी का उत्पादन करते हैं, अब उनको अब तक सब्जी के क्रय और विक्रय करने में काफी परेशानी होती है। इसके भी लिए बिहार राज्य सब्जी उत्पादक सहकारी समिति का गठन किया गया है, जिसके अब 1.14 करोड़ की लागत से कोल्ड स्टोरेज, गोडाउन और एक कार्यालय बनाया जाएगा। इसमें इस कोल्ड स्टोरेज की क्षमता कुल 10 टन होगा और वहीं गोडाउन की क्षमता 20 टन होगा और उसके साथ ही एक कार्यालय का भी एक निर्माण को किया

बिहार कांग्रेस में 37 सोशल मीडिया जिलाध्यक्षों की नियुक्ति

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस एक्टिव मोड में हैं। 40 जिलाध्यक्षों के बाद अब 37 जिलों में सोशल मीडिया अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने इसकी घोषणा की है।इस संबंध में एक लेटर जारी किया गया है। जिस पर लिखा है कि आपकी निष्ठा, सक्रियता और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए सोशल मीडिया विभाग में जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया जाता है। आपसे अपेक्षा की जाती है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा और नीतियों को डिजिटल माध्यमों के जरिए जन-जन तक पहुंचाएंगे। संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपने जिले में सोशल मीडिया कार्यकताओं की एक सक्रिय और अनुशासित टीम तैयार करेंगे।

पीएम सूर्य घर योजना को सफल बनाने के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाने का निर्देश

केटी न्यूज/पटना

पीएम सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ऊर्जा सचिव एवं बीएसपीएचसीएल के सीएमडी पंकज कुमार पाल ने मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रीय विद्युत अभियंताओं को निर्देश दिया। ऊर्जा सचिव ने सभी संबंधित विद्युत आपूर्ति अंचल, प्रमंडल एवं सेक्शन स्तर पर लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ठोस कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी विद्युत अधीक्षण अभियंता अपने-अपने अंचल में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार योजना क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। पाल ने सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक विशेष सेल बनाने का निर्देश दिया जिसकी अध्यक्षता मुख्य अभियंता करेंगे। साथ ही उन्होंने डोर-टू-डोर अभियान चलाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिक विद्युत खपत वाले उपभोक्ताओं से सीधा संपर्क स्थापित कर उन्हें सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लाभ बताएं और यह भी बताएं कि इससे उनका बिजली बिल कैसे न्यूनतम हो सकता है। इस योजना के अंतर्गत खराब प्रदर्शन करने वाले अभियंताओं को सख्त हिदायत देते हुए उन्हें अपनी कार्यशैली में सुधार लाने का निर्देश दिया गया।ज्ञात हो कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत उपभोक्ताओं को 2 किलोवाट तक 30,000 रुपए प्रति किलोवाट, तीसरे किलोवाट के लिए 18,000 रुपए अतिरिक्त किलोवाट के लिए और तीन किलोवाट से अधिक के लिए 78,000 रुपए की सब्सिडी मिलेगी।उन्होंने सभी अभियंताओं से कहा कि वे पीएम सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें। प्रत्येक उपभोक्ता तक पहुंचकर उन्हें सौर ऊर्जा के दीर्घकालिक लाभ बताएं और आवेदन प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने ये भी कहा कि लक्ष्य आधारित कार्य के साथ-साथ परिणाम पर भी पूरा फोकस रहे। उन्होंने सभी क्षेत्रीय अभियंताओं को निर्देश दिया कि वे सप्ताह में दो दिन सौर ऊर्जा जन-जागरूकता दिवस के रूप में मनाएं और अधिक से अधिक सौर संयंत्रों की स्थापना सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि राज्य में अब तक कुल 5683 निजी भवनों पर सौर संयंत्र अधिष्ठापित किए गए हैं जिससे 21 मेगावाट बिजली उत्पादित हो रही है। योजना के क्रियान्वयन से न केवल सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन मिल रहा है बल्कि लोगों के बिजली बिल में भी अप्रत्याशित कमी आ रही है।

फाइनल में जेएनवी स्कूल समस्तीपुर के जैफी जावेद और दीपांकर रहे प्रथम स्थान पर

सीएम खेल ज्ञानोत्सव प्रतियोगिता का हुआ समापन

केटी न्यूज/पटना

सूबे में पहली बार आयोजित मुख्यमंत्री खेल ज्ञानोत्सव 2025 क्विज प्रतियोगिता का गुरुवार को पाटलिपुत्र खेल परिसर में राज्य स्तरीय फाइनल के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। मुख्य अतिथि के रूप में रेरा के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर फाइनल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण, निदेशक रविंद्रनाथ चौधरी, खेल प्राधिकरण के पूर्व निदेशक संजय कुमार, एक्स्ट्रा सीके सीओओ राजनारायण, अमिताभ रंजन तथा क्विज मास्टर अनिकेत भी उपस्थित रहे। फाइनल में जेएनवी स्कूल समस्तीपुर के जैफी जावेद और दीपांकर रहे प्रथम स्थान पर, सेंट कैरेंस स्कूल, पटना के अंबर सिन्हा और ईशा भूषा दूसरे स्थान पर तथा सिंड्रेला इंग्लिश स्कूल, दरभंगा के न्याशा श्रीवास्तव एवं ऋषभ कुमार

तीसरे स्थान पर रहे। मुख्य अतिथि विवेक कुमार सिंह ने सभी विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित और प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथि विवेक कुमार सिंह ने सभी का अभिनंदन करते हुए अपने संबोधन में बताया कि इस स्कूल के बच्चों के लिए इस तरह की खेल से संबंधित क्विज प्रतियोगिता पहली बार बिहार में आयोजित की गई है। स्कूल के बच्चों के बीच इसकी लोकप्रियता और जागरुकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिहार के कोने-कोने से एक लाख से ज्यादा बच्चों ने इस प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। गांव के स्कूल के बच्चों ने भी इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और काफी अच्छा भी किया। इनके बीच राज्य स्तरीय फाइनल के पहले जिला और प्रमंडल स्तर पर प्रतियोगिता करायी गई। जिला स्तर पर ऑनलाइन प्रतियोगिता थी और प्रमंडल स्तर पर ऑफलाइन थी। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं के बीच आज राज्य स्तरीय फाइनल के रूप में लिखित और स्टेज राउंड प्रतियोगिता किया गया। आगे कहा कि क्विज मास्टर अनिकेत विदेश में रहते हैं। लेकिन इस प्रतियोगिता के संचालन के लिए विशेष तौर पर पटना आए हैं, क्योंकि ये भी बिहार से ही हैं। इस तरह की प्रतियोगिता न सिर्फ बिहार के बच्चों के बीच खेल के प्रति अभिरुचि और जागरुकता बढ़ा रही है। बल्कि राज्य में खेल संस्कृति के विकास में भी बहुत अहम भूमिका निभा रही है। बिहार आज कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है।

खबरें फटाफट

शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने शराब की खेप के साथ एक पुराने कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी कोरानसराय निवासी व जिप सदस्य प्रतिनिधि पुना साह का पुत्र संजीत साह है, जिसके पास से छह पीस फुटी पैक शराब बरामद हुई। थानाध्यक्ष अमित ने बताया कि बुधवार की रात सूचना मिली थी कि संजीत अपने घर से शराब की तस्करी कर रहा है। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार तस्कर पूर्व में भी कई बार शराब तस्करी के मामले में जेल जा चुका है।

शराब की खेप के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सिमरी। रामदास राय के डेरा थाना की पुलिस ने 15 बोतल शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष शुभम कुमार ने बताया कि पुलिस ने उनकी टाटा टियागो कार भी जब्त कर ली है। दोनों पर एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान सारण जिले के राजेश कुमार सिंह व संदीप केशरी के रूप में हुई है।वाहन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस को यह सफलता मिली है। दोनों यूपी के बलिया से शराब की खेप लेकर आ रहे थे।

पर्यावरण मंत्री ने की गोकुल जलाशय के सौंदर्यीकरण के अद्यतन स्थिति की समीक्षा

जल्द ही, एक नये रूप में दिखेगा गोकुल जलाशय: राज्य पर्यावरण मंत्री

♦ गोकुल जलाशय के समीप बनेगा रेस्क्यू सह इंटरप्रिटेंशन सेंटर और टूरिस्ट हब

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर व चक्की प्रखंड के दियारा क्षेत्र के विशाल भू-भाग पर फैले गोकुल जलाशय के दिन अब बहुरने वाले है। पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के उदेश्य से अब इसके किनारे रेस्क्यू सेंटर, इंटरप्रिटेंशन सेंटर व टूरिस्ट हब बनाया जाएगा।

गुरुवार को बिहार सरकार के पर्यावरण व वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. सुनील कुमार गोकुल जलाशय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने इसे पर्यटक केन्द्र के रूप में विकसित करने तथा इस उदेश्य से वहां होने वाले रेस्क्यू सेंटर, इंटरप्रिटेंशन सेंटर व टूरिस्ट हब के अद्यतन स्थिति की समीक्षा की तथा कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

बता दें कि गोकुल जलाशय के सौंदर्यीकरण की योजना राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। इस मामले में जिला प्रशासन की कवायद भी शुरू हो गई है। पूर्व में डीएम अंशुल अग्रवाल ने इसका निरीक्षण कर इसे पर्यटक केन्द्र के रूप में विकसित करने का निर्देश संबंधित विभाग को दिया था, वहीं, अब खुद राज्य सरकार के पर्यावरण मंत्री के बाद अब पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जलाशय की वर्तमान स्थिति, पारिस्थितिकीय संतुलन एवं संरक्षण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। मौके पर मौजूद स्थानीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर उन्होंने जलाशय क्षेत्र के सतत विकास, जलस्त्रोतों के संरक्षण एवं स्थानीय जीव-जंतुओं के आवासीय परिवेश को संरक्षित रखने का निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि गोकुल जलाशय जल्द ही एक नया प्रारूप में देखने को मिलेगा। इसकी कार्ययोजना बनाई जा रही है। राज्य सरकार इसे पर्यटक केन्द्र के रूप में विकसित करने के प्रति गंभीर है। इस वर्ष यह काम पूरा हो जाएगा।

गोकुल जलाशय में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वाटर स्पोर्ट्स, भागड़ में नौका परिचालन, मिथिला हाट की तर्ज पर बाजार सहित अन्य कई पर्यटन की आपार योजनाओं को यहां मूर्त रूप दिया जाएगा। इससे क्षेत्र के लोगों में गोकुल जलाशय के सौंदर्यीकरण व विकास की आस एक बार फिर जगी है।

जलाशय का हो रहा सीमांकन: वनरक्षण पदाधिकारी

इस दौरान जिला वनरक्षण पदाधिकारी ने पर्यावरण मंत्री को बताया कि गोकुल जलाशय का सीमांकन कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह जलाशय ब्रह्मपुर एवं चक्की प्रखंड क्षेत्र में फैला है। उन्होंने बताया कि चक्की प्रखंड में पड़ने वाले सभी मौजा का सीमांकन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जबकि ब्रह्मपुर प्रखंड में पड़ने वाले इसके भू-भाग का सीमांकन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को सीमांकन का कार्य शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया गया हैं। उन्होंने बताया कि सीमांकन कार्य पूरा होने के बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

विभिन्न प्रजाति के पशु-पक्षियों का सुरक्षित आवास है गोकुल जलाशय : गंगा के समीप व दियारा के गोद में स्थित गोकुल जलाशय कई प्रकार के पशु-पक्षियों का आश्रय स्थल भी है। यहां सर्दी के मौसम में साइबेरियां से आने वाले प्रवासी पक्षियों का महाकुंभ लगता है। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार यहां 65 प्रजातियों की लगभग 3500 पक्षी रहते है। जिसमें नॉर्दर्न शोवलर, गागेर्नी, रूडी शेलडक, ऑस्प्रे, केस्ट्रेल, सैंडपाइपर, येलो वैगटेल के साथ-साथ प्रवासी और दुर्लभ प्रजातियों की पक्षी जैसे इजिप्शियन वल्चर (सफेद गिद्ध) भी सम्मिलित हैं।

बिहार में वर्ष 2022 से लगातार सबसे अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां यहां देखने को मिली है। हाल ही में एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2025 (एशियाई जलपक्षी गणना) की गई। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के सदस्य अरविंद मिश्रा के नेतृत्व में बुधवार-गुरुवार को गोकुल जलाशय और गंगा क्षेत्र में पक्षी गणना की गई। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के कई प्रवासी पक्षी भी देखे गये, जिनमें नॉर्दर्न शोवलर, गागेर्नी, रूडी शेलडक, ऑस्प्रे, केस्ट्रेल, सैंडपाइपर, येलो वैगटेल आदि प्रमुख रहीं। ऐसे में यह केंद्र पर्यटन के लिहाज से यह एक बड़ा केंद्र बिंदु बन सकता है।

एक नजर

नावानगर में नामांकन पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए छात्रों ने निकाली प्रभात फेरी

नावानगर। हम सभी बच्चे, चले स्कूल, आदि नारों के साथ गुरूवार को नावानगर अंचल के मध्य विद्यालय विक्रम इंग्लिश के छात्रों ने प्रभात फेरी निकाली। यह प्रभात फेरी विद्यालय के पोषक क्षेत्र का भ्रमण कर पुनः स्कूल परिसर पहुंच संपन्न हो गया। प्रभात फेरी में शिक्षक यादवेंद्र कुमार, आलोक कुमार, राजेश कुमार यादव समेत कई अन्य शिक्षक शामिल रहे। बच्चों मे ईको क्लब के मुस्कान कुमारी, विवेक कुमार, विवेक सिंह, अजंली कुमारी, प्रितम कुमारी, सुमित कुमार, राजनंदनी कुमारी, संध्या, खुशी, विशाल, रवि, आदित्य, रौशन, शिवानी समेत कई अन्य छात्र-छात्राएं शामिल रहे। नामांकन अभियान प्रभात फेरी के दौरान घर घर में अभिभावक से भी सम्पर्क कर बच्चों का नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया गया। गौरतलब हो कि शिक्षा विभाग ने नामांकन पखवाड़ा को 22 अप्रैल तक विस्तारित कर दिया है।

रेवतीपुर एवं बक्सर के बीच खेला गया फुटबॉल फाइनल का मुकाबला रहा बेनतीजा

बक्सर। प्रखंड के राजपुर खेल मैदान में भीमराव अंबेडकर क्लब के तत्वावधान में आयोजित फुटबॉल टूनामेंट का फाइनल मुकाबला बक्सर और उत्तर प्रदेश के रेवतीपुर की टीमों के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले का फैसला बेनतीजा रहा। हालांकि, रोमांच भरे मैच का दर्शकों ने खूब आनन्द उठाया। इस फाइनल मैच का उद्घाटन पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला, मुखिया अनिल सिंह और पूर्व सीओ राकेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया गया। 90 मिनट के यह मैच रोमांच से भरे मैच का दर्शकों ने खूब लुत्फ उठाया। जहा पहले हाफ के शुरवाती 10 मिनट में रेवतीपुर ने बक्सर में गोल दाग बढ़त बनाई। वही कुछ मिनटों बाद दूसरा गोल दाग रेवतीपुर 2-0 की बढ़त बना ली मगर, पहले ही हाफ में बक्सर की टीम ने मौके बनाये पर गोल दाग मुकाबले को 2-1 कर दिया। दूसरे हॉफ में बक्सर व रेवतीपुर की दोनों टीमों द्वारा आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया मगर, खेल के अंत में बक्सर ने दूसरा गोल कर मुकाबला बराबरी कर ली। हालांकि, समय बढ़ाया गया मगर, कोई नतीजा नहीं निकल सका। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री निराला ने कहा कि राजपुर जैसे सुदूर क्षेत्र के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के दम पर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी नाम कमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जीत और हार खेल का हिस्सा हैं, दोनों ही टीमों के खिलाड़ी सम्मान के पात्र हैं। सरकार ष्खेलो इंडियाष योजना के तहत शीघ्र ही विभिन्न खेलों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक कदम उठा रही है, जिसमें स्टेडियम निर्माण भी शामिल है। इस आयोजन में राजकुमार, प्रयाग पांडेय, पिंटू सिंह, आयोजन समिति के अध्यक्ष विनोद राम, सचिव राजू कुमार, प्रमोद कुमार, वंशनारायण राम, बालेश्वर राम, संजय राम आदि लोग उपस्थित रहे।

बदले की भावना से सोनिया एवं राहुल गांधी पर दर्ज किया गया चार्जशीट: चौबे

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार प्रदेश कांग्रेस के वरीय नेता टीएन चौबे ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामले में चार्जशीट दाखिल करना पूर्वाग्रह से ग्रसित एवं बदले की भावना है।

उन्होंने कहा कि ईडी एवं सीबीआई भाजपा की पोशुआ तोता है। सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी कि छवि धूमिल करने के लिए इस तरह की कारवाई कि गई है। इससे कांग्रेस डरकर चुप बैठने वाली नहीं है। किसी भी परिस्थिति में देश की जनता सोनियां-राहुल गांधी के खिलाफ साजिश करने वालों को देश की जनता जवाब देने के लिए तैयार हैं। यह बदले की राजनीति है। नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्त करना कानून के शासन का मुखौटा पहने हुए राज्य प्रायोजित अपराध है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करना प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की ओर से बदले की राजनीति और धमकी के अलावा कुछ नहीं है। हालांकि, इस मामले में कांग्रेस चुप नहीं रहेगी।

काले हिरण के संरक्षण के लिए नावानगर में खुलेगा रेस्क्यू सेंटर

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने गुरूवार को बक्सर एवं भोजपुर जिलों के भ्रमण के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कई महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत भोजपुर वन प्रमंडल द्वारा नहर तट, पथ तट एवं शहरी वानिकी कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 86,500 पौधों का रोपण कराया जाएगा है।

उन्होंने बताया कि वन्य प्राणियों के संरक्षण की दिशा में भी अहम पहल की जा रही है। बक्सर जिले के नावानगर में रेस्क्यू सेंटर की स्थापना की जा रही है, जो विशेषकर दुर्लभ कृष्ण मृग सहित अन्य वन्यजीवों के उपचार और सुरक्षा के लिए

समर्पित होगा। वहीं, आर्द्रभूमियों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बक्सर के गोकुल जलाशय और भोजपुर के नथमलपुर भांगड जलाशय का विकास एवं संरक्षण प्रस्तावित है।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बक्सर के कमलदह पोखरा पार्क का सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है। आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 में भोजपुर स्थित वीर कुंवर सिंह पार्क के विकास कार्य की योजना है। इसके साथ ही बक्सर में मृत सोन कैनाल पर ह्यगायत्री मंत्रह्न थीम पर आधारित पार्क एवं रिवरफ्रंट के विकास के लिए डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री डॉ. कुमार ने कहा कि आरा मुख्य नहर और बहियारा मौजा में सोन जैव विविधता पार्क तथा रिवरफ्रंट परियोजना का भी अनुश्रवण किया जा रहा है। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार हरित आवरण बढ़ाने, जैव विविधता और आर्द्रभूमियों के संरक्षण, तथा आम जनता के लिए इको-पर्यटन सुविधाओं के विकास हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

इटाढ़ी गुमटी पर बैक कर रहे बस चालक ने बाइक को रौंदा, दंपति ने कूदकर बचाई जान

♦ हादसे में बाल बाल बचे भाजपा नेता प्रो. अनुराग व उनकी पत्नी

केटी न्यूज/बक्सर

गुरूवार की सुबह बक्सर के इटाढ़ी गुमटी के पास एक हादसे में भाजपा नेता सह एमवी कॉलेज के प्रोफेसर अनुराग श्रीवास्वत व उनकी पत्नी सुप्रिया रानी बाल बाल बच गए। इस दौरान उनकी बाइक बूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है। प्रोफेसर की पत्नी ने ही इस हादसे के दौरान पहले बाइक से कूद खुद की जान बचाई तथा पलक झपकते ही अपने पति को भी बस के पहिया के नीचे जाने से बचा लिया। हालांकि, इस प्रयास के बावजूद उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना के बाद भाजपा नेता ने मुफस्सिल थाने में उक्त बस चालक के खिलाफ लिखित शिकायत दी है।

मिली जानकारी के अनुसार भाजपा नेता अनुराग अपनी बाइक पर पत्नी को बैठा धनसोई की तरफ से बक्सर आ रहे थे। सुबह करीब 10.15 बजे वे इटाढ़ी गुमटी बंद होने के बाद जाम में फंसे थे। इस दौरान उनकी बाइक से करीब 10 फीट आगे एक यात्री बस खड़ी थी। अचानक यात्री बस का चालक बस को बैक करने लगा। इस दौरान भाजपा नेता व उनकी पत्नी अपनी बाइक पर ही बैठे थे। वहां मौजूद लोगों ने हो हल्ला कर बस को बैक कर रहे चालक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने किसी की बात पर ध्यान नहीं दिया तथा वह बस के ठीक पीछे अपनी बाइक पर बैठे प्रोफेसर अनुराग की बाइक में टक्कर मार दिया। इस दौरान उनकी पत्नी आनन फानन में बाइक से कूद अपनी जान बचाने के साथ ही अपने पति को भी खींच बस के नीचे जाने से बचा लिया। जबकि बस का पिछला पहिया बाइक के अगले पहिया पर चढ़ चुका था। बहरहाल लोगों ने बस में फंसे बाइक को निकाला। वहीं, इस घटना में भाजपा नेता तथा उनकी पत्नी बाल बाल बच गए।

युवती से मोबाइल लेकर भागे उचक्के

बक्सर। बक्सर में उचक्कों की सक्रियता बढ़ गई है। गुरुवार की सुबह अपनी दोस्त के साथ कोचिंग जा रही एक युवती से अपाची बाइक सवार एक उचक्के ने उसके हाथ से मोबाईल झपट लिया। इस दौरान युवती चिल्लाती रह गई, लेकिन उचक्का देखते ही देखते ओझल हो गया। इस घटना का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ दिखाई पड़ रहा है कि युवती अपनी दोस्त के साथ आईटीआई रोड में जा रही है, इसी दौरान पीछे से एक सफेद रंग की अपाची बाइक पर आ रहे उचक्के ने उसके हाथ से मोबाईल झपट लिया। बताया जाता है कि पीड़िता निक्की कुमारी मूलरूप से इटाढ़ी थाना क्षेत्र के पिथनी गांव की रहने वाली है तथा वह बक्सर में पढ़ाई के लिए किराए के मकान में रहती है। इसकी पुष्टि करते हुए नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि उचक्के के शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

महिला संवाद कार्यक्रम के जरिये सरकार की योजनाओं के बारे में महिलाएं होंगी जागरूक

आज से पंचायतों में आयोजित होगा महिला संवाद

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड के सभी पंचायतों के गांवों में महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी एलइडी वैन के जरिए दी जायेगी।

इसके लिए जीविका की ओर से महिला संवाद कार्यक्रम के सफल आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गई है। महिला संवाद कार्यक्रम की शुरूआत 18 अप्रैल यानी आज से होगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडेय ने बताया कि महिला संवाद कार्यक्रम का उदघाटन मुख्यमंत्री के द्वारा पटना से 18 अप्रैल को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह महिला संवाद ग्रामीण महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी दे उन्हें इसका लाभ लेने के लिए जागरूक करेगी। बीडीओ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की अर्थव्यवस्था सुधारने तथा उन्हें रोजगार से जोड़ने में यह संवाद काफी सहायक साबित होगा।

ग्रामीण महिलाओं से उनकी आकांक्षाओं के संबंध में जानकारी ली जाएगी: बीडीओ ने बताया कि इसके तहत प्रचार वाहन के जरिये गांव स्तरीय संकुल में पहुंचकर जीविका दीदी सहित सभी ग्रामीण महिलाओं को मुख्यमंत्री के संदेश के साथ ही सरकार की योजनाओं को एलईडी के वैन पर वीडियो फिल्म दिखाकर जानकारी दी जायेगी। इस दौरान ग्रामीण महिलाओं से उनकी आकांक्षाओं के संबंध में जानकारी ली जाएगी। महिला संवाद के उद्देश्य, महिला संवाद क्रियान्वयन हेतु संगठनात्मक संरचना, पंचायत स्तरीय आयोजन दल का कार्य एवं जिम्मेदारी तथा सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में चलाए जा रहे योजनाओं की जानकारी दिए जाने के संबंध में है।

साथ ही महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे योजनाओं एवं कार्यों को अवगत कराना एवं ग्रामीण महिलाओं के बीच उक्त योजनाओं की जानकारी पहुंचाना तथा योजनाओं के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि महिला संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य यह भी है कि कैसे महिलाएं अपने गांव या टोले की समस्याएं एवं आकांक्षाओं को चिन्हित कर उसके समाधान के संबंध में अपना अभिमत सहज तरीके से उपलब्ध करा सके। बीडीओ ने बताया कि प्रखंड के 14 पंचायतों में यह कार्यक्रम 18 अप्रैल से शुरू होगा जो 6 जून तक चलेगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है।

शहर की सभी नालियों का एक-दूसरे से होगा जुड़ाव, सेंट्रल नाला में गिराया जाएगा पानी

♦ दो करोड़ 26 लाख रुपए की लागत से नगर की नालियों को बनाने और एक दूसरे को जोड़ने में होंगे खर्च

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर की घनी अबादी हो या मुख्य सड़कें हर जगह नालियों की व्यवस्था सही नहीं होने के कारण रोड पर पानी बहता है। यही पानी जलजमाव की स्थिति पैदा कर देता है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। इसको रोकने के लिये नगर परिषद सभी नालियों का एक साथ जुड़ाव कर रहा है, फिर सभी का पानी सेंट्रल नाला में गिरे उसका भी प्रबंध करने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में नप का 2 करोड़ 26 लाख रुपए खर्च होंगे।

इस संबंध में चेयरमेन सुनिता गुप्ता ने बताया की नगर की मुख्य सड़कों से लेकर संपर्क तक में कहीं नाली टूटा हुआ है तो कहीं नाली है ही नहीं, ऐसे में नाली का पानी रोड पर बहकर जलजमाव का रूप ले लेता है। वर्तमान में जंगलबाजार रोड, स्टेशन रोड, बाइपास रोड सहित और कई मोहल्ले हैं, जहां यह स्थिति बनी हुई है।

एक साथ जोड़ने का कार्यक्रम बनाया गया है: इन परिस्थितियों को देखते हुए नगर परिषद ने शहर के सभी नालों को एक साथ जोड़ने का कार्यक्रम बनाया है, जिस पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया की स्टेशन रोड में तो नाली का अभाव है। स्टेशन रोड में राज हाईस्कूल खेल मैदान गेट के पास और शनिचरा मंदिर के पास नाली की व्यवस्था सही नहीं होने के कारण घर का पानी रोड पर बहता है, लगातार पानी गिरने के कारण वहां पर गड्ढा बन गया है, जिससे वाहन उसमें आकर फंस जाते हैं। कईबार ऐसा हुआ है कि वाहन पलट भी गए है, जिससे यात्री अपने घर जाने के बजाय अस्पताल पहुंच जाते हैं।

कई बार गड्ढे को भरवाया गया, लेकिन कोई फायदा नहीं :

नप चेयरमैन ने बताया की रोड एनएच का होने के कारण इसमें काम नहीं लगाया जा सकता है। कई बार गड्ढे को भरवाया गया, लेकिन बराबर पानी के जमा होने के कारण रोड खराब हो जाता है। शहर में नालियों का जाल बिछाकर सभी को एक दूसरे से जोड़कर उसका पानी सेंट्रल नाला में गिराने की योजना पर काम चल रहा है, इसमें शीघ्र ही काम लगाया जाएगा।

नाली के अभाव में हो जाता है जलजमाव : मालूम हो कि लगभग पांच सालों से नाली के अभाव होने के कारण घरों का पानी रोड पर बहकर जलजमाव का रूप ले लेता है। नालियां बन जाने से रोड पर पानी गिरना बंद हो जाएगा। सबसे अधिक परेशानी बरसात के दिनों में होती है। रेलवे स्टेशन के पश्चिमी गुमटी से लेकर टीचर्स ट्रेनिंग स्कूल तक गड्ढों की भरमार है, जिसमें पानी भर जाने पता ही नहीं चलता। यही कारण है कि वाहन आकर उसमें फंस जाते हैं, जिससे जाम की नौबत आ जाती है। अब सवाल यह है कि नाली नप बनवा देगा, लेकिन जो रोड पर गड्ढे उभर आए हैं, उसका क्या होगा।

टेंडर की प्रक्रिया काम शुरू

" इस संबंध में एनएच-120 के जेई ब्रह्मानंद पासवान ने बताया कि रोड बनाने के लिये डीपीआर तैयार कर टेंडर की प्रक्रिया काम शुरू कर दिया गया है। जैसे ही टेंडर का काम पूरा हो जाएगा रोड बनाने में काम लग जाएगा।

सूरत-ए-हाल : केसठ के महादलित बस्ती में केवल कागजों पर ही चल रही हैं कई योजनाएं

शिक्षा व्यवस्था बदहाल, सरकारी प्रयास भी विफल

♦ शिक्षक और टोला सेवक निष्क्रिय, अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौन

पीके बादल/केसठ

शिक्षा विभाग द्वारा चलाया जा रहा नामांकन पखवारा अभियान दलित और वंचित समुदायों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 22 अप्रैल तक चलाया जाएगा, जिसमें विद्यालय से बाहर रहने वाले बच्चों को चिन्हित कर उनका नामांकन सुनिश्चित किया जाना है। लेकिन जब केशव टाइम्स की टीम ने पंचायत के महादलित बस्ती का दौरा किया, तो जमीनी हकीकत सरकार के दावों से कोसों दूर नजर आई।

प्रखंड में जागरूकता की भारी कमी : टोला सेवक जिन्हें इन समुदायों में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने, बच्चों को स्कूल भेजने और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने की ज़िम्मेदारी दी गई है, वे पूरी तरह निष्क्रिय हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि टोला सेवक टोले में कोई दौरा नहीं किया करते है। न ही वे कभी अभिभावकों से संवाद करते हैं, न ही बच्चों की उपस्थिति को लेकर कोई चिंता जताते हैं।

नामांकन पखवारा रह गया औपचारिकता मात्र : शिक्षा विभाग द्वारा चलाया जा रहा नामांकन पखवारा अभियान भी महादलित बस्ती तक अपनी पहुंच नहीं बना सका है। प्रचार-प्रसार के नाम पर केवल कोरम पूरा किया गया, परंतु इनका स्वरूप ऐसा है जो इस समुदाय की भाषा, समझ और संस्कृति से मेल नहीं खाता। यही कारण है कि समुदाय इन अभियानों में भागीदारी नहीं कर रहा और योजना विफल होती दिख रही है।

विद्यालयों में नामांकन के बावजूद उपस्थिति नहीं: टोले के समीप स्थित प्राथमिक विद्यालय पश्चिम डेरा व कन्या प्राथमिक विद्यालय बस स्टैंड में मुसहर समुदाय के केवल 50 बच्चे पढ़ते हैं। संस्कृत विद्यालय पुराना बाजार में पूर्व में 40 बच्चे नामांकित थे, लेकिन लगातार अनुपस्थिति के कारण उनका नामांकन रद्द कर दिया गया। स्थानीय शिक्षकों के अनुसार बच्चे स्कूल आने के इच्छुक हैं, लेकिन घर की दयनीय स्थिति, भोजन व कपड़े की कमी और मार्ग थोड़ी दूरी से वे रुक जाते हैं। कई बार बच्चों को मजदूरी या अन्य कार्यों में लगाया जाता है।

टूटती उम्मीदें, बिखरती शिक्षा

केसठ पंचायत की महादलित बस्ती शिक्षा के क्षेत्र में पूरी तरह पिछड़ा हुआ है। इस टोले में रहने वाले अधिकांश बच्चे आज भी विद्यालय से कोसों दूर हैं। आर्थिक तंगी, सामाजिक भेदभाव, सरकारी उपेक्षा और जागरूकता की कमी ने इन बच्चों को शिक्षा से वंचित कर दिया है। समुदाय के लोगों का कहना है कि विद्यालय में नामांकन तो करा दिया जाता है, लेकिन विद्यालय तक पहुँचने की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। पोशाक, पाठ्यपुस्तक और छात्रवृत्ति जैसी योजनाएं केवल घोषणा बनकर रह गई हैं। न तो सामग्री समय पर मिलती है, और न ही कोई अधिकारी यह सुनिश्चित करता है कि लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है।

1750 से अधिक की आबादी, फिर भी नजरअंदाज : केसठ पंचायत में मुसहर समुदाय की जनसंख्या लगभग 1750 से अधिक है, जो नया और पुराना बाजार क्षेत्र में फैली हुई है। इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद भी इस समुदाय के शिक्षा, स्वास्थ्य,जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति चिंताजनक है।

अधिकारी और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी सवालों के घेरे में : स्थानीय निवासियों ने बताया कि चुनावी मौसम में जनप्रतिनिधि मुसहर टोले में खूब आते हैं, वोट मांगते हैं, वादे करते हैं। लेकिन चुनाव जीतने के बाद ये नेता इन बस्तियों की सुध नहीं लेते। न ही कोई शिक्षा संबंधी योजना पर बात होती है, न ही क्षेत्र की समस्याओं का समाधान किया जाता है। स्थानीय समाजसेवी बताते हैं कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे सरकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुँचाएं, लेकिन उनका व्यवहार केवल वोट बैंक तक सीमित है।

समाधान की जरूरत : समाजसेवी एवं शिक्षक अजय कुमार विक्रांत ने मांग की है कि मुसहर टोला जैसे अति पिछड़े समुदायों के लिए विशेष शैक्षणिक योजना लाई जाए। पंचायत स्तर पर एक अलग विद्यालय की स्थापना की जाए, जहाँ इन बच्चों को स्थानीय भाषा में प्रारंभिक शिक्षा दी जा सके। टोला सेवकों की जवाबदेही तय की जाए और विभागीय निरीक्षण प्रणाली को सख्त बनाया जाए, ताकि योजनाएं केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीन पर असर दिखे।

जल्द करना होगा कोई खास पहल : महादलित बस्ती में शिक्षा की स्थिति एक बड़ा सामाजिक प्रश्न बनती जा रही है। यदि जल्द ही शिक्षा विभाग, स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर ठोस कदम नहीं उठाते, तो आने वाली पीढ़ी भी अशिक्षा और अभाव की उसी श्रृंखला में फँसी रह जाएगी, जिससे आज यह समुदाय जूझ रहा है।

मामले की जांच की जाएगी

" इस संबंध में जानकारी देते हुए बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी। साथ ही, संबंधित कर्मी को जागरूक करने के लिए निर्देशित किया जाएगा। ताकि बच्चों को शिक्षा का उचित लाभ मिल सकेगा।

एक नजर

केसठ नया बाजार में पार्किंग व्यवस्था का अभाव, सड़कों पर लगता रहता है जाम

केसठ। केसठ प्रखंड के नया बाजार में पार्किंग व्यवस्था के अभाव से स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाजार में किसी प्रकार की निर्धारित बाइक या वाहन पार्किंग की व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण खरीदार और दुकानदार अपनी गाड़ियाँ सड़कों के किनारे ही खड़ी कर देते हैं। इस वजह से संकरी सड़कों पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। खासकर बाजार के व्यस्त समय सुबह और शाम के घंटों में राहगीरों, छात्रों और महिलाओं को चलने में भी कठिनाई होती है। कई बार छोटे वाहन और एम्बुलेंस तक जाम में फँस जाते हैं, जिससे आपात स्थितियों में भी परेशानी खड़ी हो जाती है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि बाजार की रफ्तार अब धीमी होने लगी है, क्योंकि जाम और अव्यवस्था के कारण ग्राहक आने से कतराने लगे हैं। वहीं, कई लोगों ने यह भी बताया कि कई बार छोटी-मोटी झड़पें और वाहन खरोंचने जैसी घटनाएं भी सामने आई हैं। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधि के प्रशासन से मांग की है कि बाजार क्षेत्र में एक उचित स्थान पर बाइक व अन्य वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था कराई जाए, ताकि बाजार की व्यवस्था सुधरे और आम लोगों को राहत मिल सके। अब देखना यह है कि प्रशासन इस जनसमस्या पर कब तक ध्यान देता है और स्थायी समाधान की दिशा में कौन-से कदम उठाए जाते हैं।

अतिक्रमण से सोनवर्षा बाजार में लोगों को हो रही परेशानी

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड के सोनवर्षा बाजार में फुटपाथी दुकानदारों की अतिक्रमण से कुंवर पथ संक्रीण हो गई है। सोनवर्षा से केसठ व कोरान सराय जोड़ने वाली इस पथ के किनारे ठेला व सब्जी विक्रेताओं का कब्जा होने से इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों व लोगों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ती है। पैदल चलने वाले राहगीरों को भीड़ के कारण वाहनों के बीच सड़क पर चलना मजबूरी बनी रहती है। जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होने की आशंका बनी रहती है।

बावजूद स्थानीय प्रशासन अंजान बन चैन की नींद में सो रही है। यूं कहें कि प्रशासन इस समस्या से लोगों को निजात दिलाने में पूरी तरह विफल है। ऐसे में राहगीर फुटपाथी दुकान व प्रशासन के ढुलमुल रवैये के बीच पीसने को मजबूर है। बता दें कि सोनवर्षा बाजार पर स्थानीय प्रखंड के दर्जनों गांव के अलावा भोजपुर व रोहतास जिला के की गांव के लोग खरीददारी करने सोनवर्षा पहुंचते हैं। जिसके चलते इस पथ के माध्यम बाजार में लोगों का बराबर आवागमन लगा रहता है। फलस्वरूप प्रतिदिन कुंवर पथ पर फैले अतिक्रमण व जाम से परेशानी का सामना करना पड़ता है। वही बाजार में वाहन पार्किग व्यवस्था नहीं होने से वाहन चालक सड़क के किनारे जहां-तहां वाहन खड़ा कर देते है। जिससे आए दिन जाम लगना आम बात है। गांव के लोगों ने कुंवर पथ पर अतिक्रमण के होने वाली परेशानी को लेकर प्रशासनिक अधिकारी को ध्यान आकृष्ट करते हुए इसका निदान करने की मांग किया है।

बसेरा-2 अभियान के 2770 में 2383 लाभुकों को ही भूमि आवंटित होना चिंतनीय : एडीएम

केटी न्यूज/बक्सर

राजस्व एडीएम कुमारी अनुपम सिंह की अध्यक्षता में राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग के निदेशानुसार रैंकिंग में सुधार हेतु प्राथमिकता वाले कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में ऑनलाईन जमाबंदी में अंतिम लगान विवरण दर्ज करने, मिसिंग लगान की समीक्षा, मूल जमाबंदी से ऑनलाइन जमाबंदी का मिलान, लंबित आरओआर ड्राफ्ट का निष्पादन, डिजिटाइजेशन के तहत लॉक जमाबंदी को अनलॉक करना आदि बिंदुओं पर विशेष चर्चा हुई। समीक्षा में पाया गया कि कई अंचल कार्यालयों में कार्यों की प्रगति अत्यंत धीमी है। मिसिंग लगान और आरओआर ड्राफ्ट निष्पादन में चौगाई व चौसा को छोड़ शेष अंचलों की स्थिति असंतोषजनक रही। सरकारी भूमि सत्यापन में राजपुर, नावानगर, इटाढ़ी व चौगाई द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। बसेरा-2 अभियान के तहत 2770 में से 2383 लाभुकों को ही भूमि आवंटित हो सकी है। सभी सीओ को निदेश दिया गया कि 30 अप्रैल तक राजस्व कार्यों में स्पष्ट प्रगति सुनिश्चित कर अपने अंचल का रैंकिंग 100 से नीचे लाएं। बैठक में विलंब से पहुंचने पर राजपुर व ब्रह्मपुर के अंचल अधिकारी एवं बक्सर, डुमराव के भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता पर खेद जताते हुए समय पालन का निर्देश दिया गया।

नप ने कराया फॉगिंग

डुमरांव। शहरी क्षेत्र में मच्छरों की तादात काफी बढ़ गई है। जिसे देखते हुए डुमरांव नगर परिषद ने गुरुवार की शाम पूरे शहर में फॉगिंग कराया। इस दौरान फागिंग मशीन से पूरे शहर में मच्छररोधी दवाओं का छिड़काव किया गया। चेयरमैन सुनिता गुप्ता ने बताया कि शहर में लगातार फागिंग कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर को मच्छरों के प्रकोप से बचाने के लिए नगर परिषद ने फागिंग कराने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि आगे भी फागिंग जारी रहेगी। मच्छरों की तादात बढ़ने से लोगों में मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ने की लगा था।

भाजपा कोरानसराय मंडल की कार्यकारिणी गठित

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ 6-6 उपाध्यक्ष व मंत्री, दो महामंत्री समेत हुई अन्य पदाधिकारियों की घोषणा

भाजपा कोरानसराय मंडल के मंडल अध्यक्ष धर्मेन्द्र पांडेय ने अपनी कार्यकारिणी गठित की है। नई कार्यकारिणी में छह-छह उपाध्यक्ष व मंत्री, दो महामंत्री समेत कई अन्य पदाधिकारियों की घोषणा की गई है।

इस संबंध में मंडल अध्यक्ष ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया, जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन के निदेर्शानुसार और मंडल प्रभारी, जिला महामंत्री धनंजय त्रिगुण की सहमति से कोरानसराय मंडल के पदाधिकारियों व कार्यसमिति की घोषणा की गई है। उन्होंने उम्मीद जताया है कि नव नियुक्त पदाधिकारियों के सहयोग से हम सभी भाजपा और एनडीए को एक नई ऊंचाई देने में सफल होंगे।

नई कार्यकारिणी में संजय पांडेय, गर्जन पांडेय, अगस्त उपाध्याय, रीना कुमारी, चंदन ओझा तथा सावित्री देवी को उपाध्यक्ष, गणेश वर्मा व सुमित शर्मा को महामंत्री, प्रमोद गुप्ता, चितरंजन सिंह, रंजन पासवान, मंजू देवी, जानकी देवी तथा लालती देवी को मंत्री, योगेन्द्र कुमार शर्मा को कोषाध्यक्ष, दीपक तिवारी को मीडिया प्रभारी, राधामोहन उपाध्याय व बिरेन्द्र शर्मा को प्रवक्ता, अक्षयवर नाथ तिवारी को कार्यालय मंत्री तथा राजेश पासवान को आईटी सेल की जिम्मेवारी दी गई है।

संघर्ष, समपर्ण व आत्मविश्वास से मिली सफलता, पूरा परिवार आह्लादित

बक्सर के लाल प्रभात ने बढ़ाया जिले का मान, एनडीए की परीक्षा में बना बिहार टॉपर

केटी न्यूज/बक्सर

कौन कहता है आसमान में सुराख नही होता, अगर इरादे मजबूत हो और मेहनत व लग्न रहेगी तो कोई भी लक्ष्य दूर नही है सफलता कदम चूमेगी। ऐसा ही कर दिखाया जिले के अंतिम छोर पर बसा चौसा के तिवाय गांव के रहने वाले एक मामूली से किसान परिवार के बेटा प्रभात रंजन ने, जिसने देश के डिफेंस में प्रथम श्रेणी की परीक्षा नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले के साथ राज्य को भी गौरवान्वित किया। प्रभात की इस सफलता से पूरा परिवार के साथ गांव के लोगों में भी खुशी की लहर है।

प्रभात यूपीएससी द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित परीक्षा में बिहार में पहला और पूरे देश में 80वां स्थान प्राप्त किया है। जिसका चय भारतीय वायुसेना में पायलट के पद पर किया जाएगा।

प्रभात रंजन के पिता जयप्रकाश यादव बसपा के पूर्व प्रदेश महासचिव के साथ रामपुर के पूर्व बीडीसी सदस्य रहे है। हालांकि, बच्चों की शिक्षा के वजह से वह जिला मुख्यालय में रहते है, मगर खेती-बाड़ी गांव पर की जाती है, जो उनका मुख्य पेशा है। जबकि, मा गृहणी है। प्रभात के इस सफलता से वह बेहद खुश है। पिछले सत्र में छोटे बेटे की भी महाराष्ट्र में सैनिक स्कूल में दाखिला की तैयारी है। हालांकि, अभी रिजल्ट नही आया है। जयप्रकाश यादव ने बताया कि प्रभात रंजन ने अपने दूसरे ही प्रयास में यह उपलब्धि हासिल कर अपने माता-पिता के सपनों को साकार किया है। उसकी पहली पढ़ाई पहली कक्षा से पांचवीं तक देहरादून पब्लिक स्कूल बक्सर से की। पिता जयप्रकाश ने छठवीं में बच्चे को सैनिक स्कूल के लिए तैयार कराया। जहां इंट्रेंस के बाद सैनिक स्कूल कजाकोटम केरल में दाखिला मिला। वहीं छठी कक्षा से बारहवीं तक वही पढ़ाई की। उसके बाद उसने एनडीए की तैयारी के लिए घर आ गया। पहली बार परीक्षा में प्रभात को सफलता नहीं मिली, सीमित संसाधनों के बीच भी उन्होंने कभी हार नहीं मानी और पूरी लगन से अपनी तैयारी जारी रखी। वही कही कोचिंग भी नहीं की। यही नहीं वही बिहार प्रथम व देश मे 80 वां रैंक लाया। प्रभात की सफलता की कहानी संघर्ष, समर्पण और आत्मविश्वास की मिसाल है।

वारदात : बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

पूर्व के विवाद में गोलियों से भून ऑटो चालक की हत्या

- पुलिस ने शव का कराया पोस्टमार्टम
- मामले में मृतक के पिता वकील यादव के बयान पर छह पर नामजद व दो अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/आरा

शहर के टाउन थाना क्षेत्र के बलीपुर मोहल्ला स्थित अखाड़े पर गुरुवार की सुबह हथियारबंद बदमाशों ने एक ऑटो चालक की गोलियों से भूलकर हत्या कर दी मृतक को काफी करीब से छह गोली मारी गई है। घटना को लेकर आसपास की इलाके में सनसनी मच गई है।

मृतक टाउन थाना क्षेत्र के भलुहीपुर मोहल्ला वार्ड नंबर 31 निवासी वकील यादव का 16 वर्षीय पुत्र गोलू यादव है। वह पैसे से ऑटो चालक था एवं शीश महल चौक से स्टेशन ऑटो चलाता था। वहीं घटना की सूचना पाकर सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार, टाउन थानाध्यक्ष देवराज राय, दरोगा सूरज कुमार एवं अमृत राज पुलिस बल के साथ आरा सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिल घटना की जानकारी ली।

सदर एसडीपीओ ने बताया कि भलुहीपुर मोहल्ला निवासी वकील यादव के पुत्र गोलू यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। हत्या का कारण बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह वह अखाड़े से पास क्रिकेट खेल रहा था। उसी दौरान दो लोग आए और उसे गोली मार दी। स्थानीय लोगों के बयान के अनुसार क्रिकेट खेलने के दौरान उन लोगों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। हालांकि इसकी जानकारी पहले पुलिस को नहीं दी गई थी। इस घटना में जो भी अपराध कर्मी शामिल है। उनकी पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है।

सीसीटीवी कैमरों की फूटेज खंगाल रही है पुलिस : परिचय कुमार ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से खोखा भी बरामद किया है और अन्य खोखों को पुलिस खोजने में लगी है। पुलिस आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फूटेज खंगाल रही है। इधर मृतक की मां लाली देवी ने बताया कि आठ माह पूर्व बच्चों के विवाद को लेकर पंकज यादव, लाल यादव एवं विवेक यादव से बुधवार की सुबह उनके बेटे का झगड़ा हुआ था। जिसको लेकर उनके द्वारा थाना में उनके बेटे गोलू यादव के खिलाफ आवेदन भी दिया गया था। उसी को लेकर उनके बीच विवाद चल रहा था। गुरुवार सुबह तीनों के द्वारा उनके बेटे गोलू यादव को गोली मारने की धमकी दी गई थी।

अखाड़े के पास ही कर दी उसकी गई हत्या

गुरुवार के सुबह जब वह मवेशी खरीदने के लिए दो लाख रुपये लेकर ऑटो गड़हनी बाजार जा रहा था। तभी अखाड़े के पास ही उक्त आरोपियों ने उसकी हत्या कर दी। मृतक की मां लाली देवी ने मोहल्ले के लाल यादव, विवेक यादव, पंकज यादव, छोटू यादव सहित अन्य लोगों पर अपने बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। वहीं, सूत्रों के अनुसार आठ माह पूर्व आरोपी लाला यादव का एक्सीडेंट हो गया था। जिसको लेकर उसके साथी पंकज यादव द्वारा ट्रैफिक थाना में लाला यादव से गोलू यादव के खिलाफ आवेदन दिलवाया था। जिसको लेकर गोलू उसे बराबर कहता था कि क्यों झूठा केस में फंसा रहे हो। इसी बात पर पंकज यादव, लाल यादव एवं विवेक यादव ने उसे बोला था कि कल सुबह का किरण तुम नहीं देखेगा। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई वह एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां लाली देवी व एक बहन प्रियांशु कुमारी एवं एक भाई दीपक यादव है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। वहीं इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बैंक डकैती मामले में पांच आरोपितों को सुनाई गई 10-10 साल की सश्रम कारावास की सजा

केटी न्यूज/आरा

आरा की एक अदालत ने 2019 के एक बैंक डकैती मामले में दोषी ठहराए गए पांच लोगों को गुरुवार को 10 साल कारावास की सजा सुनाई।

मामले की पैरवी करने वाले एपीपी प्रशांत रंजन ने बताया कि आठवें अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरज किशोर की अदालत ने तीन दोषियों बोतल महतो उर्फ शशि कपूर कुशवाहा, श्वेताभ सिंह उर्फ पोल्टी और विजय चौधरी पर 50-50 हजार रुपये और अन्य दो सुधीर राज और गौरव सिंह पर 40-40 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। दो दोषी महतो और कुशवाहा (भागलपुर जेल में

बंद) को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया।

एपीपी ने बताया कि मामला 18 नवंबर 2019 का है, जब छह हथियारबंद बदमाशों ने आरा के नवादा थाना क्षेत्र में दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक की शाखा में घुसकर कैश काउंटर और तिजोरी से 30 लाख रुपये लूट लिए थे। बदमाशों ने हवा में फायरिंग करते हुए बैंक के कैश काउंटर और तिजोरी से 30 लाख रुपये लूट लिए थे। विरोध करने पर बदमाशों ने तत्कालीन शाखा प्रबंधक के साथ मारपीट की थी और एक कर्मचारी का तीन मोबाइल फोन और पर्स छीन लिया था। तत्कालीन प्रबंधक दिनेश प्रसाद ने इस संबंध में नवादा थाने में छह अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। सभी आरोपी भोजपुर जिले के हैं। पिछली सुनवाई के दौरान छठे आरोपी प्रकाश माली के कोर्ट में पेश नहीं होने पर 28 मार्च 2025 को उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। रंजन ने बताया कि कोर्ट ने 22 मार्च 2022 को छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे।

फोरलेन सड़क के लिए शेष जमीन का अधिग्रहण पूरा करें

आरा। जिले के अंतर्गत पटना-आरा-सासाराम फोरलेन सड़क के लिए शेष जमीन के अधिग्रहण कार्य को पूरा करने का आदेश दिया गया। साथ ही रैयतों के बीच मुआवजा भुगतान में तेजी लाने के निर्देश दिये गये। इसे लेकर वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से अधिकारियों के साथ डीएम तनय सुल्तानिया की ओर से गुरुवार को समीक्षा की गई। इस दौरान ग्रामीण कार्य विभाग और पथ निर्माण विभाग की विभिन्न सड़क योजनाओं की समीक्षा की गई। डीएम ने बताया कि पटना-आरा-सासाराम राष्ट्रीय राजमार्ग भारत सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसे विगत सप्ताह केंद्रीय मंत्रि परिषद की ओर से स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

नौ केंद्रों पर होगी पीजी सेमेस्टर थर्ड की परीक्षा

आरा। वीकेएसयू में स्नातकोत्तर (पीजी) सत्र 2023-25 की सेमेस्टर थर्ड की परीक्षा 21 अप्रैल से शुरू होगी। परीक्षा को लेकर प्रोग्राम गुरुवार को जारी कर दिया गया। पीजी सेमेस्टर थर्ड की परीक्षा 21, 22 और 24 अप्रैल को दो पालियों में ली जायेगी। पीजी के सभी विषयों की परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में ली जायेगी। परीक्षा को लेकर चारों जिलों में केंद्र बनाये गये हैं। यह नौ केंद्रों पर ली जायेगी। आरा में वीर कुंवर सिंह विवि के मानविकी और समाजिक विज्ञान के विषयों के विद्यार्थियों का केंद्र एचडी जैन कॉलेज को बनाया गया है, जबकि विवि के विज्ञान और वाणिज्य संकाय विषय का केंद्र एमएम महिला कॉलेज को बनाया गया है।

12 प्रखंडों में आज से महिला संवाद कार्यक्रम शुरू

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के 12 प्रखंडों में आज शुक्रवार से महिला संवाद कार्यक्रम शुरू होगा। इसकी तैयारी जिला प्रशासन की ओर से पूरी कर ली गई है। इसके लिए 12 डिजिटल मोबाइल वैन पटना से गुरुवार को यहां पहुंच गयी हैं। इसके माध्यम से महिलाओं के विकास के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। जीविका के 1398 ग्राम संगठनों के माध्यम से यह कार्यक्रम संचालित होगा। इस संवाद कार्यक्रम में 200 से 250 महिलाएं भाग लेंगी।

पटना से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। बिहार सरकार की ओर से

महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक और प्रभावशाली कदम उठाते हुए महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन 18 अप्रैल से पूरे राज्य में किया जा रहा है। यह नवाचारात्मक अभियान जीविका से संबद्ध सभी ग्राम संगठनों के माध्यम से गांव-गांव में आयोजित होगा। इसका उद्देश्य महिलाओं को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना और उनकी इच्छाओं व आकांक्षाओं को सीधे सरकार तक पहुंचना है।

महिला संवाद के तहत पूरे राज्य में 600 विशेष रूप से डिजाइन की गई डिजिटल मोबाइल वैन पंचायतों में पहुंचेंगी। यह वैन एलईडी टीवी, बैनर, पोस्टर, सेल्फी जोन और अन्य संसाधनों से सुसज्जित होंगी। इन वैन के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों और पिछले 20 वर्षों में राज्य सरकार की ओर से किये गये महिला कल्याण के प्रयासों की डिजिटल रूप से जानकारी दी जाएगी। इन आयोजनों के दौरान महिलाओं को योजनाओं पर आधारित लघु फिल्में दिखाई जाएंगी। साथ ही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं अपना अनुभव साझा करेंगी।

स्थापना दिवस पर विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

समाज को स्वस्थ रखने में अपनी भूमिका निभाना हमारी प्राथमिकता: डॉ. मनोज कुमार

केटी न्यूज/आरा

शिवकृति हॉस्पिटल, जीरो माइल, आरा ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें आरा शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

यह शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपस्थिति में आम जनता की सम्पूर्ण स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर (बीपी), ईसीजी, पल्स

रेट, रढड2, तापमान (ळएटढ), वजन और हीमोग्लोबिन जैसे आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण निःशुल्क प्रदान किए गए। इस शिविर में डॉ. सत्येन्द्र कुमार,डॉ. राकेश कुमार,डॉ. वंदना शेखर, डॉ. शशि कुमार,डॉ. विवेक कुमार सिंह,डॉ. स्नेह प्रिया ने अपनी सेवा प्रदान किया।

उक्त स्वास्थ्य शिविर में वृद्धजन, महिलाएं, बच्चों एवं युवाओं ने भारी संख्या में भाग लिया। सभी मरीजों को समय पर पंजीकरण, जांच और उचित परामर्श प्रदान किया गया। शिवकृति हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मनोज कुमार "झमन" ने इस अवसर पर कहा कि हमारा उद्देश्य केवल इलाज करना नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ रखने में अपनी भूमिका निभाना है। यह स्वास्थ्य शिविर हमारी सेवा भावना का एक छोटा सा प्रयास है। हॉस्पिटल की संस्थापक सदस्य प्रेम शीला देवी ने बताया कि हर शुक्रवार को अस्पताल में निःशुल्क ओपीडी सेवा भी दी जाती है। साथ ही यहां क्ळव तथा सभी प्रकार के ऑपरेशन की आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इस अवसर पर संस्था व समाज के बेहतरी हेतु अनवरत प्रयासरत लगभग 50 लोगो को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी आगंतुकों को धन्यवाद देते हुए विजय मेहता ने कहा कि स्कूल-कॉलेजों व दूर दराज के इलाकों में भी ऐसे कार्यक्रम होते रहा है और भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

देवघर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र के खिलाफ निकाला मार्च, राहुल गांधी को बताया ईमानदार नेता

देवघर, एजेंसी। नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होने के बाद कांग्रेस नेताओं ने देवघर में भी विरोध प्रदर्शन किया। देवघर जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर के मुख्य चौक टावर चौक से कांग्रेस कार्यालय तक केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने टावर चौक पर बैठकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन भी किया। विरोध मार्च में शामिल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय मुन्नम ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी जो कहते थे कि संविधान खतरे में है, वह अब दिखने लगा है। जब से राहुल गांधी ने संसद भवन में विपक्ष के नेता के तौर पर भाजपा की पोल खोलनी शुरू की है, तब से भाजपा के लोग उनका मुंह बंद करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का सहारा लेकर उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। विरोध मार्च में मौजूद कांग्रेस के जिला अध्यक्ष उदय प्रकाश ने कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई जैसी संस्थाओं के सहारे कांग्रेस नेताओं को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के लिए बलिदान देने वाले गांधी परिवार पर इस तरह के आरोप लगाना निश्चित रूप से भाजपा की ओछी राजनीति को दर्शाता है। केंद्र सरकार के खिलाफ आयोजित विरोध मार्च में कांग्रेस नेता दिनेश मंडल, अमित पांडे, जियाउल हसन, कुमार राज समेत कई अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

वित्तीय अनियमितता का मामला: बुरी फंसी डीईओ अपरूपा पाल चौधरी, आरोपों की जांच शुरू

खूंटी, एजेंसी। जिला शिक्षा पदाधिकारी अपरूपा पाल चौधरी के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के मद्देनजर विभागीय जांच की कार्रवाई शुरू हो गई है। विभागीय मंत्री के अनुमोदन के बाद इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। झारखंड सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने कार्रवाई शुरू की है ।शिक्षा पदाधिकारी अपरूपा पाल चौधरी पर आरोप है कि उन्होंने शिक्षक स्वर्गीय फ्रांसिस तोपनो, एसपीजी मध्य स्कूल, तांबा रनिया (जिनका निधन 28 अप्रैल 2020 को हुआ) के पक्ष में जुलाई 2011 से मार्च 2020 तक की कुल 54,22,377 रुपए की अवरुद्ध वेतन राशि के विपत्र को पारित करने में घोर लापरवाही बरती है। उन पर आरोप है कि उन्होंने न तो जरुरी दस्तावेजों जैसे उपस्थिति पंजी और अवकाश स्वीकृति की जांच की, न ही विपत्र की सूक्ष्म समीक्षा की। परिणामस्वरूप स्वर्गीय तोपनो को मार्च 2015 से अक्टूबर 2015 के बीच दो बार वेतन का भुगतान हो गया, जो गंभीर वित्तीय अनियमितता को दर्शाता है ।शिकायतकर्ता दिलीप मिश्रा ने ईटीवी भारत को दिए इंटरव्यू में इसका खुलासा करते हुए कहा कि जिले में कई ऐसे शिक्षक हैं, जिनके खाते से अवैध तरीके से पैसों का ट्रांसफर कराया गया है। पूर्व में रिटायर्ड एवं वर्तमान में मृत शिक्षकों के परिजन आज भी एकाउंट क्लियर कराने के लिए ऑफिस के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ सरकार को सख्ती से निपटने की आवश्यकता है ताकि शिक्षक भयमुक्त वातावरण में अपना काम कर सके ।विभागीय मंत्री ने तत्काल प्रभाव से उनके खिलाफ आरोप गठित करने तथा आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए समिति गठित करने का निर्देश दिया है। दिलीप मिश्रा ने इस कदम का स्वागत करते हुए विभागीय मंत्री एवं स्कूली शिक्षा सचिव का आभार जताया है। इस प्रकार की कार्रवाईयों से भ्रष्ट अधिकारियों पर लगाम लगेगी और शिक्षा विभाग में पारदर्शिता स्थापित होगी ।जिला शिक्षा पदाधिकारी अपरूपा पाल चौधरी के खिलाफ गंभीर वित्तीय अनियमितता मामले को लेकर खूंटी के पूर्व झाविमो जिला अध्यक्ष और समाजसेवी दिलीप मिश्रा द्वारा उठाए गए बिंदुओं के आधार पर संज्ञान में लिया गया। जिनके प्रयासों से राज्य सरकार ने त्वरित कार्रवाई की। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग, झारखंड सरकार, रांची के आदेश (ज्ञापन संख्या 3111, दिनांक 6 मई 2024) के अनुसार, जांच के संचालन के लिए गणेश कुमार (सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा) को संचालन सह जांच पदाधिकारी और अरशद जमाल, अवर सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को सहायक जांच पदाधिकारी नियुक्त किया गया है।

धनबाद में कांग्रेस नेता के बेटे की गुंडागर्दी,

कार्यकर्ता और पत्रकार को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

धनबाद, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने रणधीर वर्मा चौक पहुंचे कांग्रेसियों ने बुधवार को जमकर उत्पात मचाया। मुख्य रूप से कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी के पुत्र सैफ व कैफ और भाई मन्नू अंसारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को ही सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर लोहे की रॉड से पीटा। इतना ही नहीं यहां मौजूद पत्रकारों व छायकारों ने जब इस घटना की तस्वीर व वीडियो अपने कैमरे में कैद करने लगे तो इनके साथ भी मारपीट की गई।

मोबाइल फोन छीन लिया गया और कैमरे तोड़ दिए गए। स्थिति यह रही की करीब एक घंटे तक पूरे रणधीर वर्मा चौक पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। इस घटना में चार पत्रकार घायल हुए हैं। जिनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया।

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह और कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन आयोजित था। पार्टी नेताओं

और कार्यकर्ताओं ने पहले रणधीर वर्मा चौक से आयकर भवन तक पैदल मार्च किया और फिर वापस चौक पहुंचे।

यहीं पर बीच सड़क सैफ और कैफ का विवाद पार्टी के ही कार्यकर्ता से हो गया। देखते ही देखते सैफ और कैफ के साथ इनके चाचा मन्नू अंसारी भी इस विवाद में शामिल हो गए और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। कांग्रेस के कार्यक्रम को लेकर सारे पत्रकार भी यहां मौजूद थे।

पत्रकारों ने मारपीट की तस्वीर और वीडियो बनाना शुरू कर दिया। राशिद रजा अंसारी के पुत्रों और भाई को यह नगवारा गुजरा। उन्होंने लोहे की रॉड से फोटोग्राफर शाहीद पर वार कर दिया। शाहीद ने हेलमेट पहन रखा था, इससे उनका सिर तो बच गया, लेकिन रड के वार से उनकी नाक पर चोट लगी, इससे उन्हें खून निकलने लगा।

इस बीच इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार संजय कुमार और नीरज कुमार का मोबाइल फोन छीन लिया गया। वहीं बीच बचाव करने पहुंचे धनबाद प्रेस क्लब के महासचिव अजय प्रसाद के साथ धक्का मुक्की और गाली ग्लौज किया गया।

घटना के वक्त पार्टी कार्यकर्ताओं को पीटने के लिए राशिद रजा अंसारी के दोनों पत्र सैफ व कैफ तथा भाई मन्नू अंसारी ने अपनी काले रंग की थार में लोहे की रड रखा हुआ था। घटना के दौरान इन सभी ने रड निकाली और मारपीट शुरू कर दिया। घटना के दौरान यह बात सामने आयी है कि सैफ व कैफ के साथ मन्नू अंसारी पहले से ही मारपीटी की योजना बनाकर चले थे।

दोनों भाइयों और इनके चाचा की गुंडागर्दी कैमरे में कैद हुई है। पत्रकारों के मोबाइल फोन और कैमरे के अलावा रणधीर प्रसाद वर्मा चौक पर लगे प्रशासनिक सीसीटीवी में भी पूरी घटना कैद हुई है। घटना के दौरान राशिद रजा अंसारी भी रणधीर वर्मा चौक पर मौजूद थे।

वहीं, कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह भी उपस्थित थे। जबकि घटना की सूचना पाकर पहुंची धनबाद थाना पुलिस के सामने भी ये लोग अपनी गुंडागर्दी दिखा रहे थे। पुलिस के सामने ही एक कांग्रेसी कार्यकर्ता को दौड़ा कर पीटा गया। यहां तक की प्रेस क्लब में घूस कर मारपीट का भी प्रयास हुआ।

घटना के बाद चोटिल शाहीद का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। इसके साथ ही धनबाद थाना पुलिस ने शाहीद, संजय कुमार, नीरज कुमार और अजय प्रसाद का ब्यान दर्ज किया है। पीड़ित पत्रकारों ने मामले को लेकर लिखित शिकायत थाने को दिया है।

घटना के बाद धनबाद प्रेस क्लब की आपात बैठक गांधी सेवा सदन में अध्यक्ष संजीव झा के नेतृत्व में हुई। इस दौरान प्राथमिकी कराने, राशिद रजा अंसारी को कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पद से हटाने, इनके दोनों बेटों व भाई की गिरफ्तारी की मांग की गई।

सीएम हेमंत सोरेन 18 को स्वीडन-स्पेन जाएंगे, औद्योगिक निवेश पर चर्चा करेंगे

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन टीम के साथ 18 अप्रैल को विदेश दौरे पर रवाना होंगे। टीम 27 अप्रैल तक स्वीडन और स्पेन के दौरे पर रहेगी। सीएम को यात्रा के लिए पॉलिटिकल क्लीयरेंस मिल गया है। उद्योग विभाग के अफसरों ने कहा कि दोनों देशों के उद्यमियों को झारखंड में औद्योगिक निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

झारखंड में कई तरह खनिज भंडार है। जमशेदपुर में वाहन उद्योग और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में काफी संभावनाएं है। ईवी, पवन और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी उद्यमियों को निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा।

राज्य में निवेश को आकर्षित करना। हरित ऊर्जा, स्मार्ट सिटी, टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट से जुड़ी संभावनाओं की तलाश करना। दोनों देशों के इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट व इंफ्रास्ट्रक्चर से सीखना।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड की ब्रांडिंग। निवेशकों से प्रत्यक्ष बातचीत का अवसर। विकास परियोजनाओं के लिए संभावित सहयोग।

विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अलका तिवारी, सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, रिटायर आईएफएस और टास्क फोर्स सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन के अध्यक्ष एके रस्तोगी, उद्योग सचिव अरवा राजकमल, जेएसएमडीसी के एमडी राहुल कुमार सिन्हा, निदेशक उद्योग सुशांत गौरव, एमडी जेआईआईडीसीओ वरुण रंजन, संयुक्त निदेशक उद्योग प्रणव कुमार पाल और सीएम के निजी सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार सिंह शामिल हैं।

जेएमएम अध्यक्ष बनते ही एक्शन में हेमंत सोरेन, कार्यकर्ताओं को बताया पार्टी का प्लान

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा का 13वां महाधिवेशन कई मायनों में अहम रहा. रांची के खेलगांव में आयोजित इस दो दिवसीय महाधिवेशन में पार्टी ने राजनीतिक प्रस्तावों को पास करते हुए जहां अपने संविधान में संशोधन कर शिबू सोरेन को संस्थापक संरक्षक बनाने का निर्णय लिया, वहीं हेमंत सोरेन अध्यक्ष बनाए गए. अब तक कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हेमंत सोरेन पार्टी के अंदर शिबू सोरेन के बाद सबसे बड़े नेता के रूप में उभर कर सामने आए हैं. जिनके उपर पार्टी को क्षेत्रीय राजनीतिक दल से बाहर निकालते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की जिम्मेदारी दी गई है. गौरतलब है कि 1987 में पहली बार शिबू सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा की कमान संभाली थी. इससे पहले यह जिम्मेवारी शहीद निर्मल महतो को दी गई थी।

पार्टी के अंदर महिला सहभागिता बढ़ाने पर जोर : झामुमो के अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार महाधिवेशन के दौरान पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने जहां एक तरफ पार्टी के अंदर महिला सहभागिता बढ़ाने की ओर संकेत दिया, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक मजबूती पर कार्यकर्ताओं का ध्यान खींचने की कोशिश की. अपने संबोधन में हेमंत सोरेन ने पार्टी के अंदर महिला सहभागिता अधिक से अधिक बढ़ने पर जोर देते हुए कहा कि पंचायत से लेकर प्रदेश स्तर तक में इस पर काम करना होगा. पार्टी के अंदर कोई जरूरी नहीं है कि जिला अध्यक्ष पुरुष ही हो, महिला भी हो सकती है. इसी तरह अन्य कमेटी में भी उन्होंने महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने की ओर संकेत किया. संगठनात्मक मजबूती को लेकर हेमंत सोरेन ने कार्यकर्ताओं को आह्वान करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी में जोड़े, जिससे हमलोग इतना मजबूत हो जाए कि आने वाले 2029 के चुनाव में परिणाम पहले ही घोषित हो जाए।

पार्टी की 13वें महाधिवेशन को झारखंड मुक्ति मोर्चा के इतिहास में सुनहरे अक्षर में लिखे जाने की बात कहते हुए झामुमो अध्यक्ष इस दौरान पार्टी छोड़कर जाने वाले पर भी निशाना साधते नजर आए. उन्होंने कहा कि पार्टी के अंदर कई तूफान आए, मगर झारखंड मुक्ति मोर्चा अडिग रहा. झारखंड मुक्ति मोर्चा का सफर पथरीला, कटीला और थकान देने वाला है. इसीलिए बहुत सारे लोग बीच रास्ते में ही चले जाता है, जो नहीं चल सकता है लेकिन आज के दिन में भी पार्टी में कई ऐसे सिपाही हैं जो लंबे समय से बने हुए हैं. इस मौके पर अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत सोरेन ने पार्टी से जुड़े आंदोलनकारी के परिवार को एक लाख रुपये देने की घोषणा करते हुए कार्यकर्ताओं से ऐसे आंदोलनकारी का नाम और ब्यौरा पार्टी कार्यालय में देने का आग्रह किया।

सरकार का ऐलान, वकीलों के जैसे कलाकारों का भी होगा बीमा

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार राज्य के कलाकारों को वकीलों की तर्ज पर पांच लाख की बीमा योजना के दायरे में लाएगी। इसकी तैयारी की जा रही है। झारखंड राज्य बीमा योजना के तहत सरकार कलाकारों को बीमा के प्रीमियम का भुगतान करेगी। इसके अलावा 60 साल की आयु पूरी करने वाले कलाकारों को मिल रही 4000 रुपए पेंशन योजना का भी सरलीकरण किया जाएगा। इससे कलाकारों को पेंशन योजना का लाभ लेने में आसानी होगी। यह निर्णय पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को हुई समीक्षा बैठक में लिया गया है।

बता दें कि कि आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान ने 'बोले अभियान' के तहत झारखंड के विभिन्न संस्करणों में स्थानीय कलाकारों की समस्याओं को प्रमुखता से छापा था। मंत्री की समीक्षा बैठक में यह बात सामने आई कि कलाकारों को प्रतिमाह 4000 रुपए पेंशन योजना के तहत अभी तक केवल एक व्यक्ति को लाभ मिला है। इस कारण जिला स्तर पर अनुशंसा में लापरवाही सामने आई। ऐसे में निर्णय हुआ कि विभाग एक पोर्टल बनाएगा, जिसमें माह के एक से 30 तारीख तक आवेदन करना होगा। आवेदन पर राज्यस्तरीय कमेटी जांच कर जिला स्तर कमेटी से पूछेगी कि क्या संबंधित कलाकार अर्हता रखते हैं। अगर रिपोर्ट सही आई तो कलाकारों को पेंशन दी जाएगी। बैठक में विभागीय सचिव मनोज कुमार, पर्यटन निदेशक अंजली यादव सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड की सांस्कृतिक विरासत के साथ थिएटर और फिल्म निर्माण के जरिए वैश्विक मंच तक राज्य को पहचान दिलाने वाले कलाकार काफी खुश हैं। कलाकार पेंशन देने और बीमा योजना में शामिल करने की लंबे समय से मांग कर रहे हैं। हालांकि पेंशन योजना तो शुरू हुई थी, लेकिन जटिल प्रक्रिया के चलते इसका लाभ उन तक पहुंच नहीं रहा था।

इस पर आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान ने बोले रांची के जरिये तीन स्तर पर झॉलीवुड (18 जनवरी), लोक (16 फरवरी) और थिएटर कलाकारों (27 मार्च) की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस पर सरकार की नजर गई तो बुधवार को पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य की समीक्षा कर मंत्री सुदिव्य कुमार ने पेंशन योजना को सरल बनाने की बात कही। इसके तहत अनुशंसा करने में लापरवाही को देख पोर्टल बनाने की बात कही। इस पर कलाकार आवेदन करेंगे और जांच के बाद उन्हें निर्धारित 4000 रुपए की पेंशन मिलेगी। बताया गया कि वकीलों की तर्ज पर कलाकारों को भी पांच लाख की बीमा योजना के दायरे में सरकार लाने की तैयारी में है। कलाकार बोले, सरकार यदि उनके बारे में सोच रही है तो यह सुखद है।

जमशेदपुर में महिला क्लर्क की सड़क किनारे मिली लाश, स्कूटी से हुई पहचान, कुछ माह पहले माता-पिता का हुआ था देहांत

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर में बीती देर रात सड़क किनारे एक युवती की लाश मिली। शव के बगल में ही उसकी स्कूटी पड़ी थी। घटना एमजीएम थाना क्षेत्र के पीपला मोड़ एनएच-33 की है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी के पेपर से युवती की पहचान की और उसके परिजनों को सूचना दी।

मृतका की पहचान घाटशिला निवासी जोबारानी सोरेन (21) के रूप में की गई। माना जा रहा है कि युवती की मौत हादसे में हुई है। हालांकि उसके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

परिजनों ने बताया कि जोबारानी मुसाबनी के पोस्ट ऑफिस में क्लर्क थी। परिवार में चार बहनें और एक भाई हैं, जिनमें दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। जोबा अविवाहित थी। वो ही घर का सारा खर्च अकेले उठाती थी और परिवार की आर्थिक रीढ़ थी। उसके पिता की अगस्त 2024 में बीमारी से मौत हो गई थी। वहीं, उसकी मां का इस साल जनवरी में देहांत हुआ था।

मृतका के भाई भूषण सोरेन ने बताया कि जोबारानी बुधवार को घर में यह बोलकर निकली थी कि वो किसी काम से जमशेदपुर जा रही है। रात में बड़ी दीदी को कॉल आया कि जोबारानी का एक्सीडेंट हुआ है। इसके बाद हमलोग अस्पताल पहुंचे।

इरफान अंसारी का एक आदेश और स्वास्थ्य विभाग में मच गया हड़कंप, जीएम को नौकरी से भी निकाला

इरफान अंसारी ने डायलिसिस कार्यक्रम में फर्जी बिलिंग और आधार कार्ड के गलत इस्तेमाल की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए ह

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक में स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य विभाग इमरजेंसी सेवा के दायरे में आता है। ऐसे में किसी भी स्तर की सुस्ती या लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कारपोरेशन लिमिटेड कि सभी योजनाओं की

धीमी प्रगति को देखते हुए मंत्री ने जीएम प्रोक्योरमेंट नीलरंजन सिंह को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त करने का आदेश दिया। उन्होंने दो टूक कहा कि जो काम नहीं करेगा, वह विभाग में नहीं रहेगा।

इरफान अंसारी ने डायलिसिस कार्यक्रम में फर्जी बिलिंग और आधार कार्ड के गलत इस्तेमाल की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का फर्जीवाड़ा अब नहीं चलेगा। विभाग को साफ सुथरा और जनता के लिए समर्पित बनाना हमारी प्राथमिकता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने एनएचएम की भर्ती प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने की घोषणा की। उन्होंने निर्देश दिए कि गैर तकनीकी पदों पर कार्य अनुभव की अनिवार्यता हटाई जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा राज्य के युवाओं को अवसर मिल सके। 5500 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।सहिया बहनों के काम की सराहना करते हुए डॉ. अंसारी ने हर जिले में सहिया सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी सहिया बहनों को शीघ्र टैब उपलब्ध कराने व प्रोत्साहन राशि बढ़ाने का आदेश भी जारी किया।जनहित में स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी को सटीक तरीके से लोगों तक पहुंचाने के लिए मंत्री ने मीडिया को-आर्डिनेशन कमेटी के गठन का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जनता को योजनाओं की पूरी और सही जानकारी देना हमारी जिम्मेदारी है।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी अस्पतालों में उपकरणों की आवश्यक सूची आइपीएचएस मानकों के अनुरूप एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। एमआरआइ, ईसीजी, एक्सरे और अल्ट्रासाउंड मशीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी काम तेजी से चल रहा है।

50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार चलेगी हवा: 20 तक राज्य के कई हिस्सों में वर्षा की संभावना

खूंटी में हुई सबसे अधिक बारिश

रांची, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने, पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण झारखंड के मौसम में खासा परिवर्तन देखा जा रहा है। गुरुवार को राज्य के पश्चिमी हिस्सों को छोड़ बाकी क्षेत्र में कहीं-कहीं 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। साथ ही गरज के साथ बारिश होने की संभावना बनी हुई है। इधर, पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन और आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 42.0 एमएम खूंटी में दर्ज की गई।

वहीं, मौसम विभाग ने 20 अप्रैल तक राज्य में गर्जन, वज्रपात और तेज हवा के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया है। इसे देखते हुए पूरे राज्य में 20 तक येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस धनबाद में दर्ज किया गया। इधर, राज्य में लगातार मौसम कभी गर्म तो कभी ठंडा हो रहा है। दोपहर तक धूप और फिर अचानक बारिश के कारण शाम के बाद ठंड से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कुछ दिन पहले जहां लोग एसी चलाने लगे थे वहीं अब फिर कंबल निकाल चुके हैं। लगातार मौसम में बदलाव के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। वे बीमार हो रहे हैं और अस्पताल पहुंच रहे हैं।

वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

इसके बाद अगले तीन दिनों में इसमें दो-तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

18 अप्रैल को पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़ समेत दक्षिण पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, हवा 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है।

सुभाषितम्

सही स्थान पर बोया गया सुकर्म का बीज ही समय आने पर महान फल देता है। - कथा सरित्सागर

सुप्रीम कोर्ट पहुंची हिंदू-मुस्लिम की लड़ाई

केंद्र सरकार द्वारा जो वक्फ अधिनियम 2025 संसद के दोनों सदनों से पारित किया गया है इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई है। यह लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट में हिंदू-मुस्लिम की लड़ाई अब आर-पार की स्थिति में पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को लेकर 70 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई मुख्य न्यायाधीश और दो जजों की खंडपीठ मे शुरू हो गई है। इसमें सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को अंतरिम आदेश जारी कर सकती है। ऐसी संभावना जताई जा रही है। केंद्र सरकार ने वक्फ बिल में जिस तरह के प्रावधान किए हैं उससे स्पष्ट हो गया है, केंद्र सरकार मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहती है। उनकी दान की हुई संपत्ति पर सरकार हक जताना चाहती है। वक्फ संपत्ति पर सरकार अपने हिसाब से नियंत्रण करना चाहती है। मुसलमानो के धार्मिक क्रिया-कलापों पर शासन हस्तक्षेप कर मुसलमानो पर अंकुश लगाना चाहती है। यह संशोधन से स्पष्ट है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देशभर के मुसलमानों के साथ-साथ अन्य अल्पसंख्यक सामुदायों में भी हो रही है। पिछले 11 वर्षों से मुसलमानो के साथ में जो भेदभाव केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किया जा रहा है, वक्फ अधिनियम के रूप में वह सामने आ गया है। अभी तक मुसलमान कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे। वह किसी भी किस्म का विरोध नहीं कर रहे थे। इस अधिनियम ने उन सब को एकजुट करके लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जैसे ही इस मामले की सुनवाई शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने जिस तरह से वक्फ बोर्ड में हिंदुओं की नियुक्ति की जा रही है। क्या ऐसी ही नियुक्ति अन्य गैर मुस्लिम बोर्ड में की जा सकती है। हिंदू मंदिरों और हिंदू बोर्ड में गैर हिंदुओं की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किये। 13 वीं, 14वीं शताब्दी और सैकड़ो वर्ष पुरानी मस्जिदें और धार्मिक स्थल हैं उसके रजिस्ट्रेशन को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किये। केंद्र सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में जवाब नहीं दे पाए। संविधान में अल्पसंख्यकों को तथा सभी नागरिकों को अपने धर्म को पालन करने की जो स्वतंत्रता दी गई है। नागरिक अधिकार भी इस संसोधन में बाधित हो रहे हैं। 5 साल का प्रैक्टिशनर मुसलमान ही वक्फ मे दान कर सकता है। इस तरह के सवालों का जवाब सालिस्टर जनरल सुप्रीम कोर्ट में नहीं दे पाए। पिछले कुछ वर्षों से न्यायपालिका के ऊपर यह आरोप लगते रहे हैं, वह सरकार के दबाव पर काम करती है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका को कसौटी पर कसा जाना है। संविधान में बिना संशोधन किए हुए जिस तरह से वक्फ बिल के द्वारा करोड़ों मुसलमानो के धार्मिक क्रियाकलाप और इबादत करने को लेकर सरकार जो हस्तक्षेप कर रही है उस मामले में सुप्रीम कोर्ट क्या निर्णय करती है। यह महत्वपूर्ण हो गया है। निश्चित रूप से संविधान के अनुसार सुप्रीम कोर्ट निर्णय देने में आनाकानी करती है। ऐसी स्थिति में यह माना जाएगा की संवैधानिक व्यवस्था की आड़ में असंवैधानिक कार्यों को न्यायपालिका संरक्षित और बढ़ावा देने का काम कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में इस बार विपक्ष के राजनीतिक दलों, 6 राज्य सरकारों तथा मुस्लिम संगठनों के साथ ही साथ अन्य समुदाय के लोगों व संगठनों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। भारत में हिंदू-मुसलमानो के बीच आर-पार की लड़ाई के रूप में देखा जाना चाहिए। भारतीय मुसलमानो को संविधान पर भरोसा था। धार्मिक स्वतंत्रता थी। जिस तरह का हस्तक्षेप कानून की आड़ में किया जा रहा है इसे कोई जिंदा कौम स्वीकार नहीं कर सकती है। भारत में अभी मुस्लिम भेड़ की तरह नहीं हांके जा सकते हैं। इतना तय है। सरकार विपक्षी दलों को भी इसी तरीके से दबाने का काम कर रही है। इस मामले में अब विपक्षी दल भी खुलकर सामने आ गए हैं। वह भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने को मजबूर हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट यदि सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए संविधान के अनुसार न्याय देने में सक्षम हुई तो इससे न्यायपालिका के प्रति जो लोगों में अविश्वास बढ़ रहा था, वह अविश्वास खत्म होगा। न्यायपालिका और संविधान के प्रति एक बार फिर सभी का विश्वास जागृत होगा। ऐसी आशा सुप्रीम कोर्ट से की जा सकती है।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है।

भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं समर्पण की जरूरत पड़ती है।

हेमंत के हाथों झामुमो को राष्ट्रीय मंच पर लाने की बागडोर

- कुमार कृष्णन

38 वर्षों तक झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और दिग्गज नेता शिबू सोरेन के अध्यक्ष रहने के बाद पार्टी के 13वें महाधिवेशन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पार्टी का केंद्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। वहीं दिशोम गुरू शिबू सोरेन को संस्थापक संरक्षक चुना गया। 15 अप्रैल 2025 को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया जब झामुमो के 13वें महाधिवेशन में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पार्टी का केंद्रीय अध्यक्ष चुना गया। इससे पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा के 13 वें महाधिवेशन में केन्द्रीय समिति सदस्यों की जिलावार घोषणा की गई। केन्द्रीय समिति सदस्य में कुल 284 सदस्य हैं। इसकी घोषणा पार्टी के केन्द्रीय महासचिव विनोद पांडे ने की।केन्द्रीय समिति सदस्य में पार्टी के विधायक, पूर्व विधायक, सांसद भी शामिल हैं।नलिन सोरेन ने शिबू सोरेन को पार्टी का संस्थापक संरक्षण का प्रस्ताव रखा। मथुरा महतो ने समर्थन किया। जिसके बाद सर्वसम्मति से इसे पारित किया गया।कार्यक्रम में गुरु जी शिबू सोरेन ने हेमंत सोरेन को पार्टी का केन्द्रीय अध्यक्ष बनाने की घोषणा की। जिसके बाद मंच पर नेताओं ने माला पहनाकर हेमंत सोरेन को बधाई दी।शिबू सोरेन के खराब स्वास्थ्य को देखते हुए हेमंत सोरेन को सर्वसम्मति से इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना 1972 में शिबू सोरेन के नेतृत्व में हुई थी. शिबू सोरेन ने महाजनों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया। लोगों ने उन्होंने इतना

काम किया कि लोग उन्हें दिशोम गुरु कहने लगे।झामुमो शुरू में आदिवासी अधिकारों, जल-जंगल-जमीन के संरक्षण और झारखंड की क्षेत्रीय अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्षरत रही है।शिबू सोरेन ने लंबे समय तक पार्टी को नेतृत्व प्रदान किया और इसे झारखंड की राजनीति में एक प्रमुख शक्ति बनाया। हालांकि, उम्र और स्वास्थ्य कारणों से उनकी सक्रियता कम हो गई थी, जिसके चलते हेमंत सोरेन को पहले 2015 में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था और अब उन्हें केंद्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौप दी गई है। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झामुमो ने 2019 और 2024 के विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया।जिसके परिणामस्वरूप पार्टी ने पहले 30 और फिर 34 सीटें जीतीं ।2024 के चुनाव में झामुमो के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने 81 में से 56 सीटें हासिल कीं, जो पार्टी के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।झामुमो का केंद्रीय अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत सोरेन ने इस अवसर पर कहा कि यह बदलाव झामुमो की विरासत को और मजबूत करेगा। उन्होंने शिबू सोरेन के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके पिता ने पार्टी को एक आंदोलन के रूप में स्थापित किया, और अब इसे राष्ट्रीय मंच पर ले जाने की जिम्मेदारी उनकी है।

अधिवेशन में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया है। पार्टी का आरोप है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के अधिकारों का उल्लंघन करता है और देश के संघीय ढांचे को कमजोर करता है। झामुमो के वरिष्ठ नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया कि राज्य में इस अधिनियम के संशोधित प्रावधानों को लागू नहीं होने दिया जाएगा।

यह विवादित कानून झामुमो के दो दिवसीय केंद्रीय अधिवेशन के पहले दिन प्रमुख मुद्दों में शामिल रहा। अधिवेशन में कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पार्टी की सामाजिक न्याय आधारित नीति को मजबूती से प्रस्तुत किया और असम, ओडिशा, छत्तीसगढ़ तथा पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में पार्टी के विस्तार का संकेत भी दिया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा, सामंती ताकतों को जनता ने करारी शिकस्त दी है और अब झामुमो, जो एक सशक्त राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरी है, झारखंड को लूटने नहीं देगी। यह आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों, गरीबों, शोषितों और पीड़ितों की सरकार है, जिनके अधिकारों की पहले अनदेखी की गई।

अधिवेशन के दौरान मीडिया से बातचीत में सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार ने वक्फ कानून में संशोधन करते समय राज्यों से कोई परामर्श नहीं लिया, जबकि भूमि राज्य का विषय है।

उन्होंने कहा, केंद्र की एकतरफा कार्रवाई न केवल असंवैधानिक है, बल्कि यह अल्पसंख्यक संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश है। यह संघीय ढांचे की पूरी तरह अनदेखी है। झारखंड में इसे लागू नहीं होने दिया जाएगा।

पार्टी के पारित प्रस्ताव में आरोप लगाया गया कि यह संशोधन एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए धर्म और जाति के नाम पर डर का माहौल बनाया जा रहा है। झामुमो ने अन्य क्षेत्रीय दलों और नागरिक समाज से इस कदम के खिलाफ एकजुट होने की अपील की है।

अधिवेशन के दौरान पार्टी ने 108 पन्नों की एक संगठनात्मक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की, जिसमें विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की गई। रिपोर्ट में आदिवासी और मूलवासी समुदायों के भूमि अधिकारों को दोहराया गया और जल, जंगल, जमीन के अधिकारों पर जोर दिया गया। पार्टी ने भूमि पुनर्वास अधिनियम की मांग की, वनवासियों के लिए स्थायी भूमि पट्टों की आवश्यकता जताई और जनगणना के आधार पर होने वाली आगामी परिसीमन प्रक्रिया का विरोध किया। झामुमो का आरोप है कि परिसीमन की प्रक्रिया आदिवासी समुदायों की राजनीतिक हिस्सेदारी को कम करने की साजिश है।

हेमंत सोरेन ने झामुमो को न केवल झारखंड में मजबूत किया, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाने की दिशा में कदम उठाए हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में हेमंत के नेतृत्व में झामुमो ने 30 सीटें जीतकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से बाहर किया। इंडिया गठबंधन (झामुमो, कांग्रेस, राजद) ने 47 सीटें हासिल कीं। इसके बाद उन्होंने 2024 के चुनाव में झामुमो ने 34 सीटों के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।और गठबंधन ने 56 सीटें जीतीं. हेमंत ने बरहेट सीट से भाजपा के गमलियल हेम्ब्रम को 39,791 मतों से हराया। हेमंत सोरेन ने अपनी सरकार के तहत कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं, जैसे अबुआ आवास योजना, जिसे झामुमो नेता प्रधानमंत्री आवास योजना से बेहतर मानते हैं।महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता राशि बढ़ाने और सरकारी नौकरियों में आरक्षण जैसे निर्णयों ने उनकी लोकप्रियता बढ़ाई. हेमंत ने बदलाव यात्रा और संघर्ष यात्रा जैसे अभियानों के जरिए जनता से सीधा संवाद स्थापित किया।

तमिलनाडु में भाजपा परचम लहराने को तत्पर

- ललित गर्ग

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में परंपरागत रूप से भारतीय जनता पार्टी कमजोर रही है, लेकिन अब भाजपा दक्षिण में अपनी जड़ों को न केवल मजबूत करना चाहती है बल्कि दक्षिण के राज्यों में सत्ता पर काबिज भी होना चाहती है। तमिलनाडु में अगले वर्ष अप्रैल-2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने 2026 के विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा कर दी है। शुक्रवार को अपनी महत्वपूर्ण चैन्नई यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अहम राजनीतिक गठबंधन का ऐलान करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य में एनडीए एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही गठबंधन का चेहरा होंगे। तमिलनाडु की भाजपा में भी एक बड़ा बदलाव सामने आया है और भाजपा की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेंद्रन को मिल गई है। भाजपा की राजनीतिक यात्रा में 2026 का तमिलनाडु चुनाव मील का पत्थर साबित होगा, वर्षों की प्यास को बुझायेगा, कमल खिलायेगा।

यह बात तो जगजाहिर है कि दक्षिण में हिन्दू मन्दिरों एवं संस्कृति का वर्चस्व होते हुए भी भाजपा अब तक अपनी जमीन मजबूत नहीं कर पाई है, जबकि केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु हो, भाजपा अपनी जड़ों को सुदृढ़ करने की जद्दोजहद करती रही है। भाजपा के प्रयास दक्षिण में बेअसर ही रहे हो, ऐसी बात भी नहीं है, समय-समय पर उसके प्रयास रंग लाते रहे हैं। दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में भाजपा अपना प्रभाव और प्रभुत्व दिखा चुकी है। कर्नाटक में कई बार भाजपा सत्ता आसीन हो चुकी है, आंध्र प्रदेश में इस समय सत्ता की भागीदार है, तेलंगाना में भी भाजपा मजबूत पकड़ बना चुकी है, केवल तमिलनाडु ही है जहां भाजपा कई दशकों से उपस्थिति दर्ज कराने के बावजूद सत्ता तक नहीं पहुंच पायी है। मोदी के प्रभाव और भाजपा के विशाल संसाधनों के बावजूद तमिलनाडू जीतना उसके लिए मुश्किल रहा है। पिछले 78 सालों में यहां कभी भी भाजपा-संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा या हिंदुत्व के उनके संस्करण को स्वीकार नहीं किया है। यह सिर्फ भाजपा के लिए

ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक बड़ी वैचारिक लड़ाई है। लेकिन इस बार भाजपा की रणनीति एवं तैयारियों एवं मोदी-शाह के संकल्पों एवं इरादों में दम है, तमिलनाडु में आमूल-चूल परिवर्तन होता हुआ दिख रहा है। तमिलनाडु में भाजपा की राजनीतिक रणनीति में किये गये बदलाव एवं रणनीतियां एक बड़ा मोड़ है, एक नया उजाला है। राजनीति के चाणक्य अमित शाह का यह भरोसा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा और राज्य में सरकार बनाएगा, कोरी हवा में उछाली गयी बात नहीं है।

एआईडीएमके और भाजपा के बीच गठबंधन 1998 से बनते-बिगड़ते रहे हैं। 1998 की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनाने और फिर 13 महीने बाद उसे गिराने का श्रेय भी एआईडीएमके को जाता है। जे. जयललिता का जब तक जीवनकाल रहा तब तक भाजपा नेतृत्व के साथ एआईडीएमके की नजदीकियां बनी रही। जब 1999 में जयललिता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया तो करुणानिधि ने डीएमके को भाजपा के साथ जोड़ लिया और 2004 तक सत्ता का सुख लेते रहे। 2004 के आम चुनाव में फिर से एआईडीएमके भाजपा के साथ आई लेकिन तमिलनाडु में लोकसभा की सीटें नहीं जीत सकी। लेकिन मोदी-शाह की नजरें हमेशा इस राज्य पर लगी रही। क्योंकि सामरिक रूप से तमिलनाडु एक संवेदनशील राज्य है, श्रीलंका के साथ उसका सीधा जुड़ाव है। चीन श्रीलंका के माध्यम से भारत में पैठ बनाना चाहता है, ऐसे में तमिलनाडु में केंद्र की आंख बंद कर विरोध करने वाली पार्टी का सत्तासीन रहना देश हित के लिए गंभीर सवाल पैदा करता है, अनेक संकटों का कारण बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने तीसरे कार्यकाल की बड़ी चुनौतियों में बंगाल, तमिलनाडु, केरल को जीतना है। वैसे इन राज्यों में भाजपा की जीत एक करिश्मा ही होगा, लेकिन मोदी-शाह ऐसे आश्चर्यकारी करिश्में घटित करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भाजपा के लिए तमिलनाडु केवल राजनीतिक संघर्ष का मैदान नहीं है, वैचारिक लड़ाई भी लड़ी जानी है। स्टालिन सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को विवादित करने और त्रिभाषा सिद्धांत को हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में प्रचारित करने से केंद्र आहत है, इसीलिये भाजपा अपने राजनीतिक सिद्धांतों, योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों को गंभीर चुनौती दे रहे इन नेताओं और दलों को वैचारिक धरातल पर परास्त करने का रास्ता भी खोज रही है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्राओं एवं अन्य चचाओं में यह बताते रहे हैं कि पूरे तमिलनाडु की जनता एवं राज्य उनके दिल में हैं, वे उसके कल्याण एवं विकास के लिये तत्पर है। तमिल लोगों के दिलों को जीतने का काम अकेले भाजपा के द्वारा संभव नहीं है, इसीलिये एआईडीएमके की बैशाखियां उसके लिये जरूरी है।

भाजपा के राजनीतिक समीकरणों की सार्थक निष्पत्ति का एक हिस्सा है एआईडीएमके और भाजपा के ताजा गठबंधन की घोषणा। इस गठबंधन को सहज बनाने और पार्टी के अनुरूप इसका स्वरूप देने का श्रेय गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, क्योंकि इस बार यह काम उतना आसान नहीं था।

ईसा मसीह : अहिंसा, करुणा और सत्य के अमर प्रतीक

- योगेश कुमार गोयल

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान, उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है गुड फ्राइडे। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में गुड फ्राइडे मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 18 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को ह्यराख का बुधवारद्ध कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

आज का राशिफल

मेष दिन अच्छा है। शाम तक कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। राज्य से सम्मान मिलने की संभावना है।

तुला आज दिन कई नए अवसरों से भरा होगा और आपके पुराने विवाद सुलझ सकते हैं।

वृषभ आज दिन लाभ और तरक्की से भरा होगा और आपका मन नई योजनाओं को पूरा करने में लगेगा।

वृश्चिक आज दिन आर्थिक रूप से मजबूत रहने वाला है। ऑफिस में आपके काम की सराहना होगी।

मिथुन आज दिन रचनात्मक है और आपको हर कार्य में भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा।

धनु सतर्कता बरतनी होगी। नए बिजनस डील्स या निवेश के लिए यह समय अनिश्चित हो सकता है।

कर्क दिन सृजनात्मक है। आप जो भी काम मन लगाकर करेंगे, उसका फल आपको तुरंत मिल सकता है।

मकर आज दिन सामान्य रहेगा और आपके जीवन में तरक्की के योग बन रहे हैं।

सिंह आज लाभ होगा। दिन व्यस्तताओं से भरा रहेगा और आपके धन सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

कुंभ आपको अपनी सेहत पर ध्यान देना चाहिए। काम को लेकर तनाव लेने से बचें।

कन्या बातचीत में सावधानी की जरूरत है। आसपास के लोगों से झगड़ा न हो, इस बात का ध्यान रखें।

मीन आज दिन शानदार रहने वाला है। बिजनस में जोखिम उठाने से आपको लाभ होगा।

विशेष

जलवायु संकट की चुप्पी में दबी औरतों की पुकार

2025 बीजिंग इंडिया रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन भारत की ग्रामीण महिलाओं को असमान रूप से प्रभावित कर रहा है। सीमित संसाधनों, पारंपरिक सामाजिक भूमिकाओं और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों के चलते वे जलवायु जोखिमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। गर्मी, सूखा, और चरम मौसम उनके प्रजनन स्वास्थ्य, कृषि आधारित आजीविका, और नौकरी के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। आदिवासी और दलित महिलाओं को जाति आधारित बहिष्कार के कारण दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि प्रभावी जलवायु अनुकूलन के लिए लैंगिक-उत्तरदायी नीतियों, लिंग-विभाजित डेटा संग्रह, स्वास्थ्य अवसंरचना के सशक्तीकरण, और महिला नेतृत्व वाले स्थानीय निर्णय तंत्रों की आवश्यकता है। महिलाओं को न केवल पीड़ित के रूप में, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में भी पहचाना जाना चाहिए। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई में लैंगिक दृष्टिकोण को मुख्यधारा में लाना न केवल सामाजिक न्याय को मजबूत करता है, बल्कि एसडीजी-13 (जलवायु कार्रवाई) और एसडीजी-5 (लैंगिक समानता) के लक्ष्यों को भी साधता है। जब हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं, तो चर्चा अक्सर पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र तल और बदलते मौसम चक्रों तक सिमट जाती है। परंतु इसके मानवीय चेहरे विशेष रूप से ग्रामीण भारतीय महिलाओं के चेहरों को अक्सर भुला दिया जाता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1642 शाहजहां ने मुमताज से निकाह किया. 1774 माधवराव द्वितीय को पेशवा गद्दी पर बैठाया गया. 1859 तात्या टोपे को फांसी दी गयी. 1859 दो अंग्रेजों कैंड और ऐयरेस्ट की हत्या के सिलसिले में दामोदर हरि चापेकर को फांसी की सजा दी गयी. 1906 सैन फ्रांसिस्को,अमेरिका में भूकम्प के पश्चात लगी आग में 4 वर्ग मील क्षेत्र जलकर नष्ट जिसमें 700 लोगों की मृत्यु, लगभग 300 मिलियन डॉलर की सम्पति नष्ट. 1930 इंडियन रिपब्लिकन आर्मी के 62 सदस्यों ने सूर्यसेन के नेतृत्व में चटगांव शस्त्रागार पर हमला किया. 1938 हिन्दी के जानेमाने साहित्यकार महावीर प्रसाद द्विवेदी का निधन हुआ. 1942 अमेरिकी विमानों ने द्वितीय विश्व युद्ध में टोकियो और अन्य जापानी शहरों पर बमबारी की.

दैनिक पंचांग

18 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

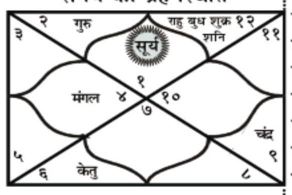

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.24 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	07.08 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.06 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.20 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	13.36 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	15.48 बजे से
शनि	मीन में	तुला	17.58 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.13 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.29 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मकर	00.34 बजे से
		कुंभ	02.21 बजे से
		मीन	03.54 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 108 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1946
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 17.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 08.21 बजे को समाप्त।
योग परिघ 01.03 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 17.08 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 50'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872318
जूलियन दिन 2460783.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 19

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

इन तरीकों से कमजोर होता है आपका दिल

आपका दिल दो तरह से सेहतमंद होता है और मुख्य रूप से दो तरीकों से ही कमजोर होता है। हेल्दी कार्डियोवस्कुलर हेल्थ के लिए जरूरी है कि आप शारीरिक रूप से भी अपने दिल को मजबूत रखें और भावनात्मक रूप से भी। क्योंकि इन दोनों में से कोई एक भी कमजोरी आपके दिल को बीमार करने के लिए काफी है।

इस तरह दूर होती हैं ये कमजोरी

- हार्ट को भावनात्मक कमजोरी से मुक्ति दिलाने के लिए आपको मानसिक रूप से मजबूत होने की जरूरत है। इस काम में योग और ध्यान आपकी बहुत मदद करेंगे।
- वहीं, शारीरिक और क्रियान्वयन के तरीकों से दिल को मजबूत रखने के लिए आपको अपने भोजन में कुछ खास चीजों को शामिल करने की जरूरत है। ताकि आपकी नसों में वसा का जमाव ना हो और आपके हार्ट की पंप करने की शक्ति लगातार बनी रहे।

ये चीजें खाना है जरूरी

- उन लोगों के दिल की धड़कनें एक रिद्म में रहती हैं, जो इन फूड्स को नियमित रूप से खाते हैं। ऐसा सिर्फ हम नहीं कह रहे हैं बल्कि आप खुद भी कहेंगे, जब ऐसा भोजन करनेवाले लोगों की फिजिकल और मेंटल फिटनेस को देखेंगे।
- जो लोग अपनी डायट में उबली हुई सब्जियों का सेवन करते हैं, उनके शरीर पर एक्स्ट्रा फैट जमा नहीं हो पाता है। साथ ही उनका पाचनतंत्र भी बहुत अच्छी तरह काम करता है। इस कारण उनकी ब्लड वेसल्स एकदम साफ और हेल्दी होती है।

दही खाने से भी होता है लाभ

- गर्मी के मौसम में और सर्दियों के मौसम में दोपहर के समय भोजन या स्नैक्स के साथ दही का सेवन करना बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही आपके शरीर की नसों को अंदर से पोषण देने का काम करती है। साथ ही आपकी अंदरूनी और बाहरी त्वचा को अधिक सपल बनाती है।
- दही में पाए जानेवाले हेल्दी बैक्टीरिया आपकी आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया को पोषण देने और उनकी संख्या में वृद्धि करने का काम करते हैं। इससे आपका खाया हुआ भोजन अच्छी तरह पचता है और शरीर को सही मात्रा में पोषण मिलता है। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह सही बना रहता है और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है।

खाएं फ्रूट्स और ड्राई फ्रूट्स

- आपकी कार्डियोवस्कुलर हेल्थ के लिए नट्स यानी ड्राई फ्रूट्स का सेवन बहुत जरूरी है। भीगे हुए बादाम आपके दिल की सेहत को सही रखने में सहायक हैं। इसके साथ ही काजू, किशमिश, अखरोट, खुमानी आदि खाने से दिल बहुत सेहतमंद रहता है।

डेयरी प्रॉडक्ट्स

- डेयरी प्रॉडक्ट्स यानी दूध, घी, पनीर और छाछ सभी हमारे दिल की कार्य प्रणाली को सुचारू बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। आमतौर पर घी के सेवन को दिल की सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है। लेकिन यह बात गाय के शुद्ध देसी घी पर लागू नहीं होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार, गाय का देसी घी खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्वों की प्राप्ति होती है। हृदय को स्ट्रोक और अटैक का खतरा कम होता है। गाय का घी आपकी नर्व्स में स्टोर नहीं होता है। बल्कि सुपाच्य होने के कारण यह शरीर की आंतरिक और बाह्य त्वचा को पोषण देने का काम करता है।

गर्मियों में बढ़ जाता है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन का जोखिम

गर्मी में बैक्टीरियल स्किन इन्फेक्शन होना बहुत ही आम बात है। वैसे तो स्किन इंफेक्शन के लक्षण बहुत ही आम होते हैं, लेकिन कुछ इंफेक्शन ऐसे भी होते हैं, जो कुछ ही लोगों को होते हैं। इन्हीं इंफेक्शन में से एक है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन। टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन क्या है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव करने के लिए क्या किया जा सकता है

गर्मी के मौसम में तेज धूप, लू, पसीने और धूल-मिट्टी की वजह से स्किन इंफेक्शन का खतरा ज्यादा रहता है। ऐसा कोई व्यक्ति नहीं होगा जिसको अपनी लाइफ में किसी तरह का स्किन इंफेक्शन जरूर होता। विशेषकर गर्मी में बैक्टीरियल स्किन इन्फेक्शन होना बहुत ही आम बात है। वैसे तो स्किन इंफेक्शन के लक्षण बहुत ही आम होते हैं, लेकिन कुछ इंफेक्शन ऐसे भी होते हैं, जो कुछ ही लोगों को होते हैं। इन्हीं इंफेक्शन में से एक है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन। टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन क्या है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव करने के लिए क्या किया जा सकता है।

क्या है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन

टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन एक दुर्लभ प्रकार का फंगल इंफेक्शन है। यह इंफेक्शन मुख्य रूप से पैरों के तलवे और हथेलियों को प्रभावित करता है। कुछ मामलों में यह इंफेक्शन पूरे शरीर को प्रभावित कर सकता है। गर्मी के मौसम में जिन लोगों को पसीना ज्यादा आता है, उन्हें नाइग्रा इंफेक्शन होने का खतरा ज्यादा रहता है। टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन शरीर पर काले धब्बे की तरह विकसित है। कुछ केस में इसके धब्बे भूरे और लाल भी हो सकते हैं।

टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन के लक्षण क्या हैं

टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन त्वचा पर खुरदरे, भूरे या काले धब्बे के रूप में दिखाई दे सकता है। शुरुआत में कुछ लोग टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन को स्किन कैंसर समझने की भूल कर सकते हैं, क्योंकि यह समय के साथ बड़ा होता जाता है। लेकिन डॉक्टर के पास जाने से आपके कई भ्रम दूर हो सकते हैं। टिनिया नाइग्रा काला धब्बा त्वचा के कैंसर से अलग होगा क्योंकि इसका आकार अजीब होता है। यदि आपके हाथों पर टिनिया नाइग्रा है, तो आप पाएंगे कि इसका रंग पूरे दिन बदलता रहता है। यह सुबह के समय गहरे भूरे रंग से लेकर शाम के समय हल्के रंग तक हो सकता है। इस इन्फेक्शन के लक्षण हथेलियों पर दिनभर काम करने और आपने किस तरह की चीजों को छुआ है, इस पर आधारित हो सकते हैं। यह इंफेक्शन आमतौर पर हाथों की हथेलियों और पैरों के तलवों को प्रभावित करता है। कुछ मामलों में यह गर्दन पर भी विकसित हो सकता है। चूंकि टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन के कारण ज्यादा लोगों को परेशानी नहीं होती है, इसलिए इस इंफेक्शन का पता बहुत लंबे समय के बाद पता चलता है।

टिनिया नाइग्रा होने का कारण क्या है

यह स्किन इन्फेक्शन हॉर्टिया वर्नेकी नामक कवक के संपर्क में आने के बाद होता है। हॉर्टिया वर्नेकी अत्यधिक खारे वातावरण या अत्यधिक उच्च नमक सामग्री वाले स्थानों पर पनपता है। टिनिया नाइग्रा की ऊष्मायन अवधि लंबी होती है। इसका मतलब यह है कि हॉर्टिया वर्नेकी के संपर्क में आने के बाद यह तुरंत दिखाई नहीं देता है। फंगस के संपर्क में आने के कम से कम 2 से 7 सप्ताह बाद आप अपनी त्वचा के रंग में बदलाव देखने को मिलते हैं। यही वजह है कि टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन के लक्षण देरी से नजर आते हैं।

टिनिया नाइग्रा का इलाज क्या है

यदि आपको लगता है कि आपको टिनिया नाइग्रा है, तो आपको स्किन स्पेशलिस्ट से मिलना चाहिए। स्किन स्पेशलिस्ट यह जानने के लिए संक्रमित क्षेत्र का एक नमूना लेंगे कि आपको टिनिया नाइग्रा है या नहीं। यदि आपके टेस्ट का रिजल्ट पॉजिटिव आता है, तो आप एंटीफंगल स्किन क्रीम के जरिए इसे ठीक कर सकते हैं। 2 से 4 सप्ताह के लगातार उपयोग के बाद एंटी फंगल स्किन क्रीम आपके टिनिया नाइग्रा को ठीक कर देगी।

स्ट्रेस को दूर रखता है कच्चा पनीर

घर पर मेहमान आ रहे हो या फिर कुछ स्पेशल खाने का करें मन, पनीर का ऑप्शन हर समय आपके पास खुला होता है। पनीर का स्वाद लोगों को इतना पसंद होता है कि इसे हर उम्र के लोग खाना पसंद करते हैं।

पनीर में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, हेल्दी फैट्स, जिंक, मैग्नीशियम, प्रोटीन, सेलेनियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं। जो व्यक्ति को कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं। पनीर में मौजूद पोटेशियम मेमोरी शार्प करने तो सेलेनियम प्रजनन क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। लेकिन आज बात पके हुए पनीर की नहीं बल्कि कच्चे पनीर को खाने से मिलने वाले फायदे की हो रही है।

वेट लॉस

पनीर का सेवन करके आप अपना वजन कम और ज्यादा दोनों कर सकते हैं। ये दोनों के लिए ही बहुत लाभकारी हो सकता है। इसमें मौजूद लीनेलाइक एसिड शरीर में फैट बर्निंग प्रक्रिया को तेज करने में मदद कर सकता है। अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए आपके पनीर की सही मात्रा का सेवन करना है।

स्ट्रेस रखें दूर

आज ज्यादातर लोग स्ट्रेस की शिकायत करते हैं। इससे बचने के लिए आपको हेल्दी डाइट का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में कच्चे पनीर का सेवन इस समस्या से बचाने में मदद कर सकता है।

हड्डियां रखें मजबूत

अगर आपको जोड़ों में दर्द की शिकायत रहती है तो अपनी डाइट में कच्चे पनीर को शामिल करें। कैल्शियम और फॉस्फोरस से भरपूर पनीर हड्डियों को कमजोर होने से बचाने में मदद करता है।

इम्यूनिटी करें बूस्ट

एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर पनीर इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करता है। यह संक्रमण से बचाव और उससे जल्दी रिकवरी में भी मदद करता है।

ब्लड प्रेशर रखे कंट्रोल

पनीर में मौजूद पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम बीपी को नॉर्मल बनाए रखने में मदद करते हैं।

त्वचा और बालों को रखें सेहतमंद

पनीर में मौजूद हाई क्वालिटी प्रोटीन त्वचा और बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

मौजूदा दौर में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याएं होना कोई नई बात नहीं है। आधुनिक युग में ये परेशानियां काफी प्रचलित हो गई हैं, खुशी से ज्यादा लोग अब टेंशन में डूबे दिखते हैं। वास्तव में चिंता और तनाव का कोई इलाज नहीं है। क्योंकि ऐसे तमाम लोग हैं जिन्होंने थेराप्यूटिक यानी चिकित्सा का सहारा भी लिया, लेकिन अपने मानसिक स्वस्थ्य को बनाए रखने में असफल हैं। ऐसे में हमें इस समस्या का समाधान खुद से ही खोजना होगा।

टेंशन और डिप्रेशन बढ़ाते हैं ये फूड

बहुत कम लोगों को पता है कि डेली रूटीन में खाए जाने वाले फूड आइटम्स भी टेंशन और स्ट्रेस का कारण होते हैं। लिहाजा उन खाद्य पदार्थों के बारे में जानकर चौंकें नहीं, जो तनाव को बढ़ावा देते हैं या मानसिक स्थिति को खराब करते हैं; जिनका आप रोजाना सेवन करते हैं। यहां हम इन ऐसे ही खाद्य पदार्थों की सूची जारी कर रहे हैं जिनके सेवन से आपकी टेंशन और तनाव को बढ़ावा मिलता है।

रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट

हृदय की समस्याओं, मधुमेह या मोटापे के बढ़ते जोखिम का एक सॉलिड रीजन रिफाइंड कार्बोहाइड्रेड है। मानसिक स्वास्थ्य संगठन के एक शोध ने साबित किया कि रिफाइंड चीनी सहित रिफाइंड कार्ब्स के सेवन से चिंता और अवसाद दोनों का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो जल्द ही सफेद आटा, सफेद ब्रेड, सफेद चावल, एगेव चीनी, सिरप, कन्फेक्शनरी प्रोडक्ट्स प्रोसेप्ड स्नैक्स, पास्ता आदि के उपयोग को छोड़ने का प्रयास करें। इनकी बजाए आप हेल्दी आहार के तौर पर ओट्स, ब्राउन राइस, क्विनोआ, अनाज, साबुत ब्रेड या अंकुरित गेहूं के आटे का प्रयोग करें।

कैफीनयुक्त पेय पदार्थ

कैफीन युक्त ड्रिंक के सेवन से भी चिंता, तनाव और अनिद्रा की समस्या होती है। थोड़ी मात्रा में कैफीन का सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता, लेकिन अगर आप इसे अधिक मात्रा में लेते हैं तो जल्द ही चिंता, तनाव का शिकार हो सकते हैं। यह मत भूलिए कि सामान्य चाय, कुछ चॉकलेट और यहां तक कि फ्लेवर्ड केक में भी कैफीन होता है। इसके बजाय आपको हर्बल टी, पुदीना, नींबू या नारियल पानी का विकल्प चुनना चाहिए।

शराब

शराब लिवर ही नहीं बल्कि पूरे स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। बहुत से लोग ब्रेकअप, मिजाज या गुस्से को दूर करने के लिए शराब का सहारा लेते हैं। वे इसे मूड ठीक करने का एक बढ़िया सोर्स मानते हैं लेकिन इसके विपरीत हमारी सेहत को खराब कर देती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शराब दिमाग में सेरोटोनिन और न्यूरोट्रांसमीटर की एक्टिविटी को बदल देती है जिससे चिंता बढ़ जाती है। इसकी बजाए आपको मोजितो या मॉकटेल या गैर-अल्कोहल बियर का सेवन करना चाहिए।

ट्रांस फैट

हर बार जब आप चिप्स या चिकन नगेट्स का पैकेट खोलते हैं, तो याद रखिए इससे आपकी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। तेल से तले खाद्य पदार्थों की बजाए आपको घी, मक्खन जैसे संतृप्त वसा से बने स्नैक्स का सेवन करना चाहिए।

चीनी युक्त खाद्य पदार्थ

मीठे खाद्य पदार्थ रक्त शर्करा यानी ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव का कारण बन सकते हैं जो हमारे एनर्जी लेवल को भी प्रभावित करते हैं। यहां तक कि मूड को भी इंबैलेंस कर सकते हैं जिससे टेंशन बढ़ती है। इसलिए आपको ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन भी बंद करना चाहिए जिनमें चीनी की अत्यधिक मात्रा हो। प्राकृतिक चीनी के विकल्प में आप एरिथ्रिटोल और याकॉन सिरप से बने प्रोडक्ट्स का उपयोग करने का प्रयास करें। प्राकृतिक फलों और सब्जियों का रस चीनी से बने खाद्य पदार्थों से कहीं बेहतर हैं।

अधिक मात्रा में नमक

शरीर में अतिरिक्त सोडियम गुर्दे के साथ-साथ तंत्रिका तंत्र को भी हानि पहुंचा सकता है। नमक मूड विकारों जैसे मूड स्विंग, टेंशन, तनाव और अवसाद, यहां तक कि थकान को भी जन्म दे सकता है। इसलिए नमक का सेवन कम से कम करें।

सोना उछाल के साथ 100000 के बेहद करीब पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। शादियों के सीजन के बीच सोने की चमक तेज होती ही जा रही है। ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच आज 17 अप्रैल को सर्राफा बाजारों में सोना 100000 रुपये के बेहद करीब पहुंच गया है। 24 कैरेट गोल्ड आज 95207 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। सोने के भाव में आज 628 रुपये की उछाल है। जबकि, चांदी 1036 रुपये टूटकर 95639 रुपये पर आ गई है। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोने का भाव अब 98063 रुपये और चांदी का दाम 98508 रुपये हो गया है।

बता दें सर्राफा बाजार के रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं, जिनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

सोने में तेजी के कारण- केडिया कमोडिटिज के प्रेसिडेंट अजय केडिया के मुताबिक अभी जो सोने में तेजी दिखाई दे रही है, वह ट्रंप के टैरिफ वॉर की वजह से है। ग्लोबल मार्केट में

आर्थिक मंदी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। ट्रेड वॉर बढ़ रहा है और जियो पॉलिटिकल टेंशन कम होने का नाम नहीं ले रहे। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी भी जारी है। ईटीएफ में भी खरीदारी की वजह से सोने ने अच्छी-खासी तेजी दिखाई है।

क्या सोने के भाव गिरने की है कोई उम्मीद- सोना क्या ऐसे ही चढ़ता रहेगा इस सवाल पर केडिया ने हिन्दुस्तान को बताया, सोना दाम करेक्शन लेगा। मार्केट अभी छह से आठ महीने एक दायरे में रहेगा। क्योंकि, पिछले 20 सालों में कभी भी सोने में 10 पर्सेंट से अधिक करेक्शन नहीं हुआ है। अगले अक्षय तृतीया तक सोना अगर गिरा तो 78000 से 80000 तक आएगा और ऊपर की ओर 102000 रुपये पर पहुंच सकता है।

गोल्ड को लंबे समय के लिए होल्ड करना फायदेमंद- एचएसजे लखनऊ के डायरेक्टर अंकुर आनंद ने बताया, शेयर बाजार में जब भी उथल-पुथल का दौर होता है तो गोल्ड में इन्वेस्टमेंट हमेशा सुरक्षित निवेश के तौर पर देखा जाता है। वर्तमान समय में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव को देखते हुए लोगों का सोने की खरीदारी और इन्वेस्टमेंट को लेकर रुझान बढ़ा है। गोल्ड लंबे समय से बेहतर रिटर्न दे रहा है। गोल्ड को लंबे समय के लिए होल्ड करना फायदेमंद साबित होता है और गोल्ड रेट के बढ़ने के बाद भी आगे भी इसमें निवेश करना निवेशकों के लिए मुनाफे का सौदा होगा।

बढ़ती कीमतों के बीच सोने की सतर्क खरीदारी- ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के डायरेक्टर वैभव सराफ सोने की उछलती कीमत और ग्राहकी पर पड़ रहे असर के बारे में बताते हैं, शादियों के इस सीजन में ग्राहकों द्वारा सोना खरीदा जा रहा है, लेकिन बढ़ती कीमतों के कारण मांग प्रभावित हो रही है। ग्राहक खरीदारी तो कर रहे हैं, लेकिन ऊंची कीमतों की वजह से वे सतर्कता बरत रहे हैं।

खरीदारी को एडजस्ट कर रहे ग्राहक

ग्राहक ऊंची कीमतों के अनुसार अपनी खरीदारी को एडजस्ट कर रहे हैं वे जरूरी चीजें या छोटे सोने के आइटम खरीद रहे हैं। कुछ ग्राहक हीरे के जेवरात भी पसंद कर रहे हैं, क्योंकि यह समान बजट में एक बेहतर सामाजिक स्टेटस भी देता है। जब तक सोने की कीमतें स्थिर नहीं होती, यह सतर्कता जारी रह सकती है।

उद्योग की प्रतिक्रिया

वैभव ने बताया, बढ़ती सोने की कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए, हम कम गोल्ड रेट ऑफर चला रहे हैं, जिससे ग्राहकों को राहत मिले और उनका विश्वास बढ़े। यह प्रोमोशन खरीदारी को प्रोत्साहित करने और सेल्स बढ़ाने में मदद करेगा।

उद्योग पर प्रभाव

ज्वैलरी रिटेलर्स को सतर्क खरीदारी के कारण सेल्स ग्रोथ धीमी हो सकती है। हालांकि, सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व के कारण सोने के ज़ेवरात की मांग अभी भी मजबूत है।

आगे की संभावना

सोने की कीमतों की दिशा ग्राहकों के व्यवहार को प्रभावित करेगी। अगर कीमतें स्थिर हो जाती हैं या कम होती हैं, तो मांग बढ़ सकती है। तब तक सतर्क खरीदारी जारी रहने की संभावना है।

विजय केडिया की चेतावनी, अभी भी कई जेनसोल डुबोएंगी पैसे

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट के दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने कहा है कि अभी भी कई कंपनियां ऐसी हैं, जो जेनसोल इंजीनियरिंग की तरह निवेशकों का पैसा डुबो सकती हैं। केडिया के मुताबिक, ऐसी कंपनियों में पहले से ही कुछ संकेत (रेड फ्लैग्स) दिखाई देते हैं, जिन्हें पहचानकर निवेशक बड़े नुकसान से बच

सकते हैं। उन्होंने निवेशकों को सावधान रहने की सलाह दी है। केडिया ने कहा, अभी भी कई जेनसोल अलमारी में छुपे हुए हैं, जो समय आने पर गिरेंगे। उम्मीद है, तब तक बहुत देर नहीं हो चुकी होगी।

बता दें जून 2024 में सेबी के पास जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी, जिसमें शेयर की कीमतों में हेराफेरी और कंपनी के फंड्स के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया गया था। सेबी की जांच में पता चला कि प्रमोटर-निदेशक अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी ने कंपनी के पैसे को अपने फायदे के लिए गलत तरीके से इस्तेमाल किया, जैसे कंपनी उनकी अपनी दुकान हो। पिछले 6 महीने में जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर में 85 प्रतिशत की गिरावट आई है।

सियाम के आंकड़ों में ईवी पंजीकरण में दिखा उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। यूटिलिटी गाड़ियों की मजबूत मांग से देश में यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री बीते वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 43,01,848 इकाई पहुंच गई। 2023-24 में कुल 42,18,750 यात्री वाहन बिके थे।

इस अवधि में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का पंजीकरण बढ़कर 19.7 लाख पहुंच गया, जो 2023-24 के 16.8 लाख इकाइयों की तुलना में 16.9 फीसदी अधिक है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, यूटिलिटी वाहनों ने बिक्री में वृद्धि को गति देना जारी रखा है। 2024-25 में कुल यात्री वाहनों की थोक बिक्री में इनकी हिस्सेदारी बढ़कर 65 फीसदी पहुंच गई, जो 2023-24 में 60 फीसदी थी। बीते वित्त वर्ष कुल 27,97,229 यूटिलिटी वाहन बिके, जो 2023-24 के 25,20,691 इकाइयों के मुकाबले 11 फीसदी अधिक है। सियाम के मुताबिक, 2024-25 में देश से रिकॉर्ड 7.7 लाख से अधिक यात्री वाहनों का निर्यात किया गया। यह वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 15 फीसदी वृद्धि को दर्शाता है। निर्यात में यह वृद्धि देश में निर्मित होने वाले वैश्विक मॉडल की मांग से प्रेरित रही।यात्री वाहनों की थोक बिक्री मार्च, 2025 में सालाना आधार पर चार फीसदी बढ़कर 3,81,358 इकाई पहुंच गई। इस दौरान 16.56 लाख से अधिक दोपहिया और 62,813 तिपहिया वाहनों की बिक्री हुई।

मेक इन इंडिया वाहनों की मांग- सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, ग्रामीण मांग और उपभोक्ता विश्वास में सुधार से क्षेत्र को उबरने में मदद मिल रही है। अफ्रीका और पड़ोसी देशों जैसे प्रमुख बाजारों में निर्यात मांग जारी रहने की संभावना है, क्योंकि मेड इन इंडिया वाहनों का चलन बढ़ रहा है।

18 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी गिरवी, रिलायंस को बिजनस की बिक्री...

टाटा की नाक में किसने कर रखा है दम

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबे शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप ने एक बार फिर टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की लिस्टिंग की वकालत की है। इसके लिए उसने आरबीआई से मदद मांगी है। इकनॉमिक टाइम्स की एक खबर के मुताबिक एसपी ग्रुप ने केंद्रीय बैंक से इस बारे में औपचारिक अनुरोध किया है। ग्रुप का कहना है कि टाटा संस की लिस्टिंग से सभी स्टेकहोल्डर्स को फायदा होगा। ग्रुप के पास टाटा संस में 18.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है और वह कंपनी में सबसे बड़ा माइनोरिटी स्टेकहोल्डर है। एसपी ग्रुप पर काफी कर्ज है और वह इसे चुकाने के लिए काफी संघर्ष कर

रहा है। टाटा संस ने अपर लेयर कोर इनवेस्टमेंट कंपनी के तौर पर अपना रजिस्ट्रेशन कैंसल कराने का अनुरोध किया है। लेकिन एसपी ग्रुप का कहना है कि टाटा संस ने इस बारे में उसने नहीं बताया। उसका कहना है कि ऐसे अहम फैसले पर चर्चा में उसे शामिल किया जाना चाहिए था।

आरबीआई और एसपी ग्रुप के प्रवक्ताओं ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सितंबर 2022 में आरबीआई ने टाटा संस को अपर लेयर नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया था। उसे सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में लिस्ट होना होगा। आरबीआई भी टाटा संस के रजिस्ट्रेशन रद्द करने के आवेदन पर विचार कर रहा है। साथ ही वह लिस्टिंग से छूट देने के अनुरोध पर भी विचार कर रहा है। टाटा संस ने 2024 में आरबीआई को एक आवेदन दिया था। इसमें उन्होंने एनबीएफसी-यूएल नियमों के तहत सीआईसी के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन रद्द करने की बात कही थी।

कर्ज चुकाने का जुगाड़

एसपी ग्रुप देश के सबसे पुराने औद्योगिक घरानों में से एक है। हाल के वर्षों में उसे वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उस पर बहुत अधिक कर्ज है जबकि नकदी की कमी है। इस ग्रुप का कारोबार कंस्ट्रक्शन, रियल एस्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। कोविड-19 महामारी के दौरान उनकी वित्तीय स्थिति और खराब हो गई। महामारी के कारण उसके कारोबार और नकदी प्रवाह में बाधा आई।

कर्ज कम करने के लिए ग्रुप अपनी कुछ एसेट्स बेच रहा है। इसमें यूरेका फोर्ब्स में अपनी अधिकांश हिस्सेदारी की बिक्री, स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर की रिलायंस इंडस्ट्रीज को बिक्री, अफकॉन्स इन्फ्रा की लिस्टिंग, गोपालपुर पोर्ट की बिक्री और रियल एस्टेट संपत्तियों का मॉनीटाइजेशन शामिल है। एसपी ग्रुप ग्लोबल बैंकों और क्रेडिट फंडों से 3.3 अरब डॉलर जुटा रहा है। एसपी ग्रुप ने टाटा संस में अपनी पूरी 18.37 प्रतिशत हिस्सेदारी को प्राइवेट क्रेडिट फंडों से फंडिंग जुटाने के लिए गिरवी रख दिया है।

तीन साल में भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मनी और जापान से बड़ी हो जाएगी, बोले नीति आयोग के सीईओ

नईदिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने गुरुवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले तीन साल में जर्मनी व जापान से बड़ी हो जाएगी। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है।

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत दुनिया के लिए शिक्षा का केंद्र बन सकता है, क्योंकि अन्य सभी चीजों को अलग रखते हुए हमारे देश का सबसे बड़ा लाभ इसका लोकतंत्र है। उन्होंने कहा, फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगले साल के अंत तक हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे। उसके बाद के वर्ष में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे।

आईएमएफ के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था का आकार

वर्तमान में 4.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा, हम तीन साल में जर्मनी और जापान से भी बड़े हो जाएंगे। 2047 तक हम दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) हो सकते हैं।

सुब्रह्मण्यम ने कानूनी फर्मों और लेखा फर्मों सहित भारतीय कंपनियों से विश्व में अग्रणी बनने की आकांक्षा रखने की बात कही। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि मध्यम आय वाले देशों की समस्याएं निम्न आय वाले देशों की समस्याओं से बहुत भिन्न हैं।

उन्होंने कहा, इसका संबंध गरीबों को भोजन कराने या नंगे लोगों को कपड़े पहनाने से नहीं है। इसका संबंध इस बात से है कि आप ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था कैसे बनें। सुब्रह्मण्यम ने बताया कि दुनिया ने कभी ऐसी स्थिति नहीं देखी है जहां जनसंख्या घटेगी। उनके अनुसार, जापान 15,000 भारतीय नर्सों को ले रहा है, जर्मनी 20,000 स्वास्थ्य कर्मियों को ले रहा है, क्योंकि उनके पास लोग नहीं हैं, और वहां पारिवारिक व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गई हैं। उन्होंने कहा, भारत विश्व भर में कामकाजी आयु वर्ग के लोगों का एक स्थिर आपूर्तिकर्ता होगा...यह हमारी सबसे बड़ी ताकत होगी।

कैशलेस इलाज के लिए 1 घंटे में मिल जाएगी मंजूरी, 3 घंटे में अंतिम सेटलमेंट भी जरूरी

मुंबई। हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम और कैशलेस मंजूरी में देरी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को जल्द इससे राहत मिल सकती है। केंद्र सरकार स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के लिए कैशलेस मंजूरी अनुरोध को एक घंटे के भीतर और अंतिम क्लेम सेटलमेंट को तीन घंटे के भीतर अनिवार्य करने की योजना बना रही है। यह जानकारी मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इंश्योरेंस सेक्टर के लिए भारतीय मानक ब्यूरो जैसे मानकों को लागू करने पर विचार किया जा रहा है, ताकि बीमा उद्योग के संचालन को सुव्यवस्थित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक सभी नागरिकों को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाए। किफायती बीमा की घोषणा भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने नवंबर 2022 में की थी।

कई मामलों में 100 फीसदी क्लेम खारिज किए- हालांकि, इरडा ने पहले ही 2024 में क्लेम के तेजी से सेटलमेंट के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे, लेकिन इनकी बढ़ती संख्या के कारण बीमा कंपनियां इन नियमों का पालन करने में विफल रही हैं। अधिकारी ने कहा कि कई मामलों में बीमा कंपनियों ने 100 प्रतिशत कैशलेस क्लेम को खारिज या रिजेक्ट किया है।

सभी अस्पतालों में एक जैसा फॉर्म होगा

इसके अलावा, इंश्योरेंस क्लेम और आवेदन पत्रों को सरल और समझने योग्य बनाने के लिए एक पेशेवर एजेंसी की मदद से मानकीकृत प्रारूप तैयार करने की भी योजना है। इससे बीमाकर्ता समय पर और पूरी राशि का भुगतान कर सकेंगे।

क्या है तैयारी

सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज के जरिए इंश्योरेंस क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और इरडा के साथ मिलकर नए निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। यह एक डिजिटल मंच है, जो स्वास्थ्य बीमा दावों की प्रक्रिया को मानकीकृत करता है। जुलाई 2024 तक, 34 बीमा कंपनियां और टीपीए इस मंच पर सक्रिय थे। 300 अस्पताल इसमें शामिल होने की प्रक्रिया में हैं।

एफवाय2025 के धांसू शेयर जिसने निवेशकों की खूब कमाई कराई

मुंबई, एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2024-25 का समापन हो गया है। इस दौरान एनएसई 100 में कुछ कंपनियों ने कमाल का प्रदर्शन किया। इन कंपनियों ने अपने निवेशकों को खूब फायदा पहुंचाया। इनमें वेदांता, डिवीज लेबोरेटरीज, बजाज होल्डिंग्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स , इंडिगो, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियां शामिल हैं। इस रिटर्न में शेयर की कीमत में बढ़ोतरी और डिविडेंड (मुनाफे का हिस्सा) दोनों शामिल हैं। इसे टोटल शेयरहोल्डर रिटर्न कहते हैं।

बीते वर्ष निवेशकों की झोली भरने में वेदांता सबसे आगे रही। वेदांता ने एफवाय25 में 87 प्रतिशत का टीएसआर दिया। इसका मतलब है कि जिसने भी वेदांता के शेयर में पैसे लगाए, उसे 87 प्रतिशत का फायदा हुआ। वेदांता के शेयर की कीमत 70 प्रतिशत बढ़ गई। साथ ही, कंपनी ने 11.8 प्रतिशत का डिविडेंड भी दिया। डिवीज़ लेबोरेटरीज 69 प्रतिशत के टीएसआर के साथ दूसरे नंबर पर रही। बजाज होल्डिंग्स, बीईएल और इंडिगो ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इन कंपनियों का टीएसआर क्रमशः 52 प्रतिशत, 51 प्रतिशत और 44 प्रतिशत रहा।

टीएसआर कैसे निकालते हैं- टीएसआर निकालने के लिए, कंपनी के शेयर की कीमत में बदलाव और दिए गए डिविडेंड को जोड़ते हैं।

फिर, इसे शेयर की शुरुआती कीमत से भाग देते हैं। आसान भाषा में कहें तो, टीएसआर बताता है कि किसी कंपनी के शेयर में पैसे लगाने पर कितना फायदा हुआ।

मेटल सेक्टर में सबसे आगे वेदांता- बीते साल वेदांता ने टीएसआर में अपने सेक्टर की दूसरी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। मेटल एंड माइंस सेक्टर में जेएसडब्ल्यू स्टील (29 प्रतिशत), हिंडाल्को (22 प्रतिशत), जिंदल स्टील (8 प्रतिशत) और टाटा स्टील (1 प्रतिशत) जैसी कंपनियों का प्रदर्शन वेदांता से कम रहा। वेदांता के अच्छे प्रदर्शन का कारण है कंपनी का मजबूत बैलेंस शीट, जरूरी चीजों के उत्पादन में आगे रहना, उत्पादन में कुशलता और महत्वपूर्ण खनिजों की बढ़ती मांग।

डिमर्जर की चल रही है प्रक्रिया- वेदांता अपनी कंपनियों को अलग-अलग करने की योजना बना रही है। इस योजना को शेयरधारकों और कर्जदाताओं से 99 प्रतिशत से ज्यादा की मंजूरी मिल गई है। इस खबर से भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा। वेदांता का मानना है कि कंपनियों को अलग करने से हर कंपनी अपने सेक्टर पर ध्यान दे पाएगी और बेहतर प्रदर्शन कर पाएगी। इससे भारत के विकास को भी फायदा होगा।

उत्पादन क्षमता भी बढ़ रही है

वेदांता अपनी उत्पादन क्षमता भी बढ़ा रही है। बाल्को स्मेल्टर का विस्तार लगभग पूरा हो गया है। उम्मीद है कि एफवाय26 की पहली तिमाही में यह शुरू हो जाएगा। जिंक इंडिया में, 160,000 टन प्रति वर्ष की क्षमता वाला रोस्टर और 510,000 टन प्रति वर्ष की क्षमता वाला उर्वरक संयंत्र एफवाय26 की चौथी तिमाही तक शुरू होने की उम्मीद है। जिंक इंटरनेशनल के विस्तार का दूसरा चरण भी एफवाय26 में पूरा होने वाला है।

डिवीज को भी उम्मीद

डिवीज लेबोरेटरीज को उम्मीद है कि उसे बाजार में ज्यादा हिस्सेदारी मिलेगी। साथ ही, कुछ महत्वपूर्ण दवाओं के पेटेंट खत्म होने से भी उसे फायदा होगा। इंडिगो भारत में हवाई यात्रा के बाजार में सबसे आगे है। इस वजह से इंडिगो ने भी अच्छा रिटर्न दिया।

ट्रेड वॉर वाले माहौल में इकोनॉमी के लिए बुरी खबर, फिच ने घटाया जीडीपी ग्रोथ अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रेड वॉर के माहौल का नुकसान भारत को उठाना पड़ सकता है। इस वजह से देश की इकोनॉमी सुस्त रहने का अनुमान है। ग्लोबल एजेंसी- फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है।

क्या कहा फिच रेटिंग- रेटिंग एजेंसी फिच ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य (जीईओ) के अपने विशेष तिमाही अपडेट में कहा- अमेरिकी व्यापार

नीति के बारे में पूरे विश्वास के साथ कुछ भी कहना मुश्किल है। व्यापक स्तर पर नीति अनिश्चितता, व्यापार निवेश की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रही है। शेयर की कीमतों में गिरावट से घरेलू संपत्ति कम हो रही है और अमेरिकी निर्यातकों को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। फिच ने मार्च के अपने जीईओ में 2025 के विश्व वृद्धि अनुमानों में 0.4 प्रतिशत की कटौती की। चीन और अमेरिका के वृद्धि अनुमान को 0.5 प्रतिशत घटाया।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अनुमान

रेटिंग एजेंसी ने भारत के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को घटाकर क्रमशः 6.2 प्रतिशत और 6.4 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत पर बरकरार रखी है। फिच के अनुमानों के अनुसार, अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर 2025 तक 1.2 प्रतिशत पर सकारात्मक रहने की उम्मीद है। चीन की वृद्धि दर इस वर्ष और अगले वर्ष चार प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है, जबकि यूरोक्षेत्र में वृद्धि दर एक प्रतिशत से काफी नीचे बनी रहेगी।

यूईएफए सीएल

रियल मैड्रिड को हराकर आर्सेनल सेमीफाइनल में, बायर्न म्यूनिख को हराकर इंटर मिलान अंतिम-चार में

मैड्रिड, एजेंसी। आर्सेनल ने पिछले सप्ताह लंदन में खेले गए क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-0 से जीत हासिल की थी और इस तरह से उसने रियल मैड्रिड को कुल मिलाकर 5-1 से करारी शिकस्त दी। वहीं, इंटर मिलान ने बायर्न म्यूनिख को एग्रीगेट के आधार पर 4-3 से हराया। आर्सेनल ने बुधवार को गत चैंपियन रियल मैड्रिड को क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 2-1 से हराकर 2009 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, बेंजामिन पावर्ड के गोल की बदौलत इंटर मिलान ने बुधवार को बायर्न म्यूनिख को क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 2-2 से रोक दिया। इस तरह मिलान की टीम चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंच गई। इससे पहले पीएसजी और बार्सिलोना भी अंतिम चार में पहुंच चुके हैं और सेमीफाइनल के मुकाबले तय हो गए हैं। अंतिम चार में पीएसजी का सामना आर्सेनल से और बार्सिलोना का सामना इंटर मिलान से होगा।

इंटर मिलान ने बायर्न म्यूनिख को हराया

इंटर मिलान ने क्वार्टर फाइनल का पहला चरण 2-1 से जीता था और इस तरह से उसने 4-3 के कुल स्कोर से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पावर्ड 2023 में बायर्न को छोड़कर इंटर मिलान से जुड़े थे। यह इंटर के लिए पावर्ड का पहला गोल था। हैरी केन ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही गोल करके बायर्न म्यूनिख को कुल स्कोर में बराबरी दिला दी थी लेकिन लुटारो मार्टिनेज और पावर्ड के गोल से इंटर मिलान ने जल्द ही अपनी बढ़त मजबूत कर दी। बायर्न म्यूनिख की तरफ से 76वें मिनट में एरिक डियर ने बराबरी का गोल दागा, लेकिन इससे कुल स्कोर में हार का अंतर ही कम हो पाया।

आर्सेनल ने रियल मैड्रिड को हराया

आर्सेनल ने पिछले सप्ताह लंदन में खेले गए क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-0 से जीत हासिल की थी और इस तरह से उसने रियल मैड्रिड को कुल मिलाकर 5-1 से करारी शिकस्त दी। आर्सेनल ने इस तरह से पहली बार यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता जीतने की संभावना बरकरार रखी। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा। दूसरा सेमीफाइनल बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेला जाएगा। इस बार 15 बार का यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड किसी तरह की ऐतिहासिक को वापसी नहीं कर पाया। अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में उसके खिलाड़ी कोई जादू नहीं दिखा पाए। यह 2020 के बाद पहला अवसर है जबकि रियल मैड्रिड सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया। इस तरह से वह पिछले चार सत्र में तीसरी बार चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने से भी चूक गया। आर्सेनल और रियल मैड्रिड में से कोई भी पहले हाफ में गोल नहीं कर पाया। बुकायो साका पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए लेकिन उन्होंने 65वें मिनट में मिकेल मेरिनो के पास पर गोल करके आर्सेनल को बढ़त दिलाई। विनीसियस जूनियर ने इसके तुरंत बाद रियल मैड्रिड की तरफ से बराबरी का गोल दागा। आर्सेनल की तरफ से दूसरा गोल गेब्रियाल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम में किया। रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे को चोटिल होने के कारण 75 मिनट के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था।

पीएसजी भी चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

एस्टन विला की क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में शानदार वापसी के बावजूद पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) इस इंग्लिश क्लब को 5-4 के कुल स्कोर से हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल पहुंचने में सफल रहा। विला ने मंगलवार को यहां खेले गए क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 3-2 से जीत हासिल की लेकिन पीएसजी ने पहले चरण का मैच 3-1 से जीता था और उसकी यह बढ़त आखिर में निर्णायक साबित हुई। पीएसजी ने पांच सत्र में तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है।विला का हौसला बढ़ाने के लिए प्रिंस विलियम भी स्टेडियम में मौजूद थे लेकिन पीएसजी ने विला पार्क में 27 मिनट के अंदर फुल बैक अशरफ हकीमी और नूनो मेंडेस के गोल की बदौलत चार गोल की बढ़त बना ली। विला ने हाफटाइम से पहले यूरी टाईलेमैन्स के गोल से वापसी की जबकि दूसरे हाफ के शुरू में जॉन मैकगिन और एज़री कोन्सा ने दो मिनट के अंतराल में गोल करके उसकी उम्मीद जगा दी।

नीरज ने सीजन की शुरुआत गोल्ड मेडल के साथ की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए दो ओलंपिक पदक जीत चुके स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने 2025 सीजन की शुरुआत शानदार तरीके से की। नीरज ने बुधवार को साउथ अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पॉट इनविटेशनल ट्रैक टूर्नामेंट जीतकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने इस इवेंट में 84.52 मीटर भाला फेंका और पहले स्थान पर रहते हुए सोना अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट को जीतने के बाद नीरज का आत्मविश्वास डायमंड लीग टूर्नामेंट के लिए बढ़ेगा। नीरज चोपड़ा 25 साल के साउथ अफ्रीका के जैवलिन थ्रोअर डौ स्मिट से काफी आगे रहे जिन्होंने 82.44 मीटर थ्रो किया। नीरज ने छह खिलाड़ियों को बीच चले फाइनल मुकाबले में टॉप पोजीशन हासिल किया। नीरज ने यहां 84.52 मीटर भाला फेंका जो उनके व्यक्तिगत बेस्ट थ्रो 89.94 से कम था तो वहीं स्मिट अपने बेस्ट थ्रो 83.29 के लगभग करीब पहंचे। इस इवेंट में तीसरे नंबर पर डंकन रॉबर्टसन रहे जिन्होंने 71.22 मीटर का थ्रो फेंका। नीरज चोपड़ा का अगला बड़ा इवेंट 16 मई को दोहा डायमंड लीग है, जहां उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। 2024 के पेरिस ओलंपिक में नीरज ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था, जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के नए ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। जैसे-जैसे ये सीजन आगे बढ़ेगा सभी की निगाहें नीरज पर होंगी कि क्या वह नदीम के रिकॉर्ड को चुनौती दे सकते हैं या नहीं। इन दिनों नीरज अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी की निगरानी में पोटचेफस्ट्रूम में प्रैक्टिस कर रहे हैं।

सुरुचि सिंह जीत रहीं गोल्ड पर गोल्ड, मनु भाकर से है करीबी रिश्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। एक ही शहर, एक ही अकादमी में ट्रेनिंग और फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शूटिंग में भारत का झंडा का शान लहरानाज्ये एक संयोग ही है। ये कहानी है कि सुरुचि सिंह और मनु भाकर की। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के शहर से और उनकी ही अकादमी से एक और स्टार शूटर सुरुचि सिंह के तौर पर सामने आई हैं, जो कि लगातार गोल्ड पर गोल्ड जीत रही हैं। अब वर्ल्ड कप में सौरभ चौधरी के साथ डुओ शूटिंग में भी सुरुचि सिंह ने गोल्ड जीता है।ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर की तरह ही सुरुचि सिंह एक स्वर्णिम भविष्य की स्क्रिप्ट लिखती नजर आ रही हैं। सुरुचि ने पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर तब सभी का ध्यान आकर्षित किया जब उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल कॉम्पिटीशन में राष्ट्रीय खिताब जीता। सुरुचि ने फाइनल में 243.6 का शानदार स्कोर बनाया। उन्होंने डिफेंडिंग चैंपियन तक को पछाड़ दिया। इसी हफ्ते पेरू के लीमा में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में सुरुचि ने एक बार फिर सीनियर वर्ग में अपना लगातार दूसरा गोल्ड जीता। इस बार उन्होंने मनु भाकर को ही हरा दिया। मनु भाकर के 242.3 के मुकाबले 243.6 अंक हासिल करके सुरुचि ने न सिर्फ शीर्ष स्थान हासिल किया, बल्कि यह भी बता दिया कि भारतीय शूटिंग में वो नई क्वीन हैं। मनु भाकर ने जिस अकादमी से शूटिंग का प्रशिक्षण लिया था, उसी से सुरुचि ने भी शुरुआती प्रशिक्षण लिया लेकिन दो साल पहले कोच बदल दिया।

ट्रेविस हेड के एड पर बवाल ने कोर्ट में घसीटा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से मजाक उड़ाने के मामले में केस दाखिल करते हुए कहा गया कि विज्ञापन में प्रयोग में लाई गई शब्दावली से उनकी ब्रांड की इमेज खराब हुई है. आरसीबी ने कहा वैसा कर उन्होंने उनके ट्रेडमार्क पर सीधा हमला बोला है. उसके मुताबिक विज्ञापन में ऐसा मजाक उड़ाने के मकसद से ही किया गया होगा.

नाम ही नहीं स्लोगन का भी उड़ाया मजाक- आरसीबी

सिर्फ आरसीबी के नाम से ही खिलवाड़ नहीं हुआ है. फ्रेंचाइजी ने कोर्ट में बताया कि विज्ञापन में उनके पंसदीदा स्लोगन श्वद्ग स्ड्डद्यड्ड ष्द्धश्च ह्यड्डद्यस्रद्ग का भी मजाक बना है. आरसीबी के मुताबिक वो स्लोगन टीम और फैंस दोनों से इमोशनली जुड़ा है. ऐसे में विज्ञापन में उसे व्यंग्यात्मक तरीके से पेश करना फैंस और टीम दोनों के इमोशन से मजाक है और कुछ नहीं.

बहरहाल, विज्ञापन पर लिए आरसीबी के एक्शन के बाद अब सबकी निगाहें रिएक्शन को देखने पर जमीं है. देखना ये है कि उनका स्टैंड क्या होता है? क्या ह्वद्गह्ल उस विज्ञापन को वापस लेगी या अपने बचाव में कुछ दलील पेश करेगी. आईपीएल का सुरूर हर मैच के साथ बढ़ रहा है. आरसीबी भी अच्छा परफॉर्म कर रही है. ऐसे में इस बीच ये मामला सामने आने से माहौल गरमा गया है.

टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ पर चला बीसीसीआई का चाबुक

गौतम गंभीर के खास अभिषेक नायर समेत 4 की छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सख्त तेवर दिखाए हैं. बीसीसीआई ने कड़ा एक्शन लेते हुए टीम के सहयोगी स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है. बीसीसीआई ने 4 कर्मचारियों को भारतीय टीम से हटा दिया है, जिनमें कोच, फील्डिंग कोच, स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच और एक मसाजर शामिल हैं.

सबसे बड़ी बात यह है कि इनमें हेड कोच गौतम गंभीर के खास अभिषेक नायर की भी छुट्टी हो गई है. अभिषेक नायर कोलकाता नाइट राइडर्स के दिनों से गौतम गंभीर के साथ जुड़े हुए थे. जब गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बने तो अभिषेक नायर को भी सपोर्ट स्टाफ में शामिल किया गया अभिषेक नायर टीम में कोच की जिम्मेदारी को निभा रहे थे. अभिषेक नायर को 24 जुलाई 2024 को टीम इंडिया का असिस्टेंट कोच बनाया गया. अभिषेक नायर के अलावा टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ से फील्डिंग कोच टी दिलीप स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई की भी छुट्टी कर दी गई है. वहीं एक मसाजर (फिजियो सपोर्ट स्टाफ) को भी हटाया गया है. हालांकि इस मसाजर का नाम क्या है, यह बात जाहिर नहीं हो पाई है.

कोचिंग स्टाफ में था गंभीर का दबदबा

राहुल द्रविड़ का बतौर हेड कोच टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद बाद कार्यकाल खत्म हुआ था. उसके बाद गौतम गंभीर को भारत का नया हेड कोच 9 जुलाई 2024 को नियुक्त किया गया था. पूर्व भारतीय स्टार ने अपने कोचिंग स्टाफ का एक बड़ा हिस्सा कोलकाता नाइट राइडर्स से लिया, जिसमें अभिषेक नायर, रेयान टेन डोएशेट और मोर्ने मोर्केल (लखनऊ सुपर जायंट्स में जब गंभीर मेंटर थे तो मोर्केल गेंदबाजी कोच) शामिल थे.

टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में अब कौन?

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में शर्मनाक 0-3 से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम संघर्ष करती दिखी थी. इसके बाद बीसीसीआई ने इस साल की शुरुआत में एनसीए और इंडिया ए कोच सितांशु कोटक को व्हाइट बॉल के लिए बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया था. कोटक इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में कोटक टीम इंडिया के साथ जुड़े थे. शुरुआती असफलताओं के बावजूद, गंभीर और उनकी कोचिंग टीम ने जोरदार वापसी की और भारत को चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब दिलाया. नायर, टेन डोशेट, मोर्केल, दिलीप और कोटक सभी विजयी अभियान के दौरान सहयोगी स्टाफ के प्रमुख सदस्य थे. नायर का भारतीय टीम के साथ कार्यकाल समाप्त हो गया है, लेकिन बाकी खिलाड़ी अभी भी टीम में बने रहेंगे और अपने पूर्व साथियों की जगह लेंगे.

भारतीय टीम को नए सहयोगी स्टाफ इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की सीरीज से पहले मिल सकते हैं. भारत की अगली चुनौती इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में होगी, जहां यह देखना होगा. अभिषेक नायर और टी दिलीप की जगह किसको लेकर आता है.

पंजाब किंग्स के खिलाफ चलता है विराट का बल्ला

बेंगलुरु, एजेंसी। शुक्रवार को आईपीएल 2025 के 34वें मुकाबले में मेजबान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) का मुकाबला पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) से बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। दोनों टीमें फिलहाल अच्छी फॉर्म में चल रही हैं और छह में से चार-चार मुकाबले जीतकर आईपीएल अंक तालिका में क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर काबिज हैं। आइए डालते हैं इस मैच के कुछ प्रमुख आंकड़ों और मैच-अप्स पर नजर।

कोहली बनाम पीबीकेएस

कोहली का पीबीकेएस के खिलाफ रिकॉर्ड बहुत बेहतरीन रहा है और उन्होंने इस टीम के खिलाफ पिछली तीन पारियों में तीन अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने पीबीकेएस के खिलाफ पिछली 10 पारियों में आठ बार 20 रन के आंकड़े को पार किया है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 32 पारियों में 35.5 की औसत और 134 के स्ट्राइक रेट से 1030 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक और एक शतक शामिल है। इसमें से भी दो अर्धशतक और एक शतक बेंगलुरू के चिन्नास्वामी के मैदान पर आए हैं, जहां पर यह मैच होना है।

खेल निकायों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने पर विचार कर रहा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। पीठ ने कहा, हम कबड्डी संघों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि इन निकायों में खेल गतिविधियों के अलावा भी कई तरह की चीजें हो रही हैं। इसके बाद हम जांच आयोग का दायरा अन्य खेल संघों तक बढ़ाने का इरादा रखते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देश में खेल संघों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने का संकेत दिया और कहा कि खेल गतिविधियों के अलावा उनमें हर तरह की चीजें हो रही हैं।

दो राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह बात कही। दो कबड्डी खिलाड़ियों ने पहले एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) और इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के मामलों की सीबीआई जांच के लिए विचार मांगे थे। पीठ ने कहा,हम कबड्डी संघों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि इन निकायों में खेल गतिविधियों के अलावा भी कई तरह की चीजें हो रही हैं। इसके बाद हम जांच आयोग का दायरा अन्य खेल संघों तक बढ़ाने का इरादा रखते हैं। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता केएम नटराज ने कहा कि पीठ के चार फरवरी के आदेश के अनुसार खिलाड़ियों को ईरान में टूर्नामेंट के लिए भेजा गया था, जहां उन्होंने जीत हासिल की और स्वर्ण पदक जीता। नटराज ने कहा कि जहां तक सीबीआई जांच का सवाल है, इसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। उन्होंने इस पर काम करने के लिए दो और सप्ताह मांगे, जिसके बाद पीठ ने कहा कि वह देश के सभी राज्य और अंतरराष्ट्रीय खेल संघों के मामलों की जांच करेगी और

जरूरत पड़ने पर उन्हें भंग कर देगी। शीर्ष अदालत ने खेल संघों के कामकाज और जरूरी जांच पर सुझाव देने के लिए कई पूर्व खिलाड़ियों और मौजूदा खिलाड़ियों के हस्तक्षेप के आवेदनों को स्वीकार कर लिया और सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की।

शीर्ष अदालत ने छह फरवरी को,चस्नद्ब के प्रशासक और पूर्व न्यायाधीश एस पी गर्ग को ईरान में 20 फरवरी से शुरू होने वाले एक खेल आयोजन में खिलाड़ियों की भागीदारी की अनुमति देने के लिए अपने निर्वाचित शासी निकाय को प्रभार सौंपने के लिए कहा। शीर्ष अदालत प्रियंका और पूजा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्हें एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप में भेजने के लिए,चस्नद्ब को निर्देश देने की मांग की गई थी। इससे पहले न्यायालय ने केंद्र को खेल संघों, खास तौर पर भारतीय कबड्डी महासंघ की मान्यता को लेकर विवाद के समाधान के लिए कूटनीतिक माध्यमों की तलाश करने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने कहा, सीबीआई के निदेशक खेल महासंघ के मामलों में इंटरपोल जैसी अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों की सहायता से प्रभावी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय जांच के लिए जांच तंत्र का सुझाव देंगे। न्यायालय ने यह भी जानना चाहा कि कबड्डी खिलाड़ियों और अन्य खिलाड़ियों को ईरान में एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं। पिछले साल जुलाई में अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने एकेएफआई की मान्यता समाप्त कर दी थी, जिससे कबड्डी टीमों को कई वैश्विक आयोजनों में भाग लेने से रोक दिया गया था।

सनी देओल ने साझा की 'जाट' की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें, लोगों का इस खास अंदाज में जताया आभार

सनी देओल ने जाट को मिल रहे प्यार के लिए लोगों का शुक्रिया जताया है। इसके लिए सनी देओल ने शूटिंग से जुड़ी कुछ खास तस्वीरें साझा की हैं। सनी देओल की फिल्म 'जाट' इन दिनों सिनेमाघरों में चल रही है। एक्शन से भरपूर इस फिल्म को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है और लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं भी मिल रही हैं। इस बीच सनी देओल ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी कुछ बीटीएस तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही फिल्म को मिल रहे प्यार के लिए लोगों का आभार भी जताया है।

सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर शेयर की तस्वीरें

अभिनेता सनी देओल ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्शन सीक्वेंस और जाट थीम सॉन्ग की उनकी कैंडिड तस्वीरें शामिल हैं। उन्होंने बैकग्राउंड में गाना भी जोड़ा और गाने और फिल्म के लिए अपने प्रशंसकों के प्यार के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। पोस्ट के कैप्शन में सनी देओल ने लिखा, जाट के थीम सॉन्ग और फिल्म के लिए मिल रहे प्यार को महसूस कर रहा हूं। यह बहुत ही खुश करने वाला है।

सई एम मांजरेकर और अदिवी सेष स्टारर मेजर जापान में होगी रिलीज़

सई एम मांजरेकर और अदिवी सेष की फिल्म 'मेजर' ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अहम मुकाम हासिल किया है! इस बहुप्रशंसित बायोपिक एक्शन ड्रामा को अब जल्द ही जापान में प्रदर्शित किया जाएगा। जापान स्थित भारतीय दूतावास इस खास स्क्रीनिंग का आयोजन करेगा, जिसमें फिल्म जापानी सबटाइटल्स के साथ दिखाई जाएगी। यह विशेष स्क्रीनिंग 29 अप्रैल 2025 को दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:50 बजे तक आयोजित की जाएगी और यह निःशुल्क होगी, हालांकि इसके लिए पूर्व-पंजीकरण आवश्यक है। अदिवी सेष, जिन्होंने फिल्म में भारतीय वीर मेजर संदीप उन्नीकृष्णन की भूमिका निभाई थी, ने इस रोमांचक खबर को ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किया। यह फिल्म न केवल एक सिनेमाई उपलब्धि है, बल्कि यह भारतीय सिनेमा की सांस्कृतिक सीमाएं पार कर दुनिया तक उसकी गूंज पहुंचाती है। जापानी दर्शकों के लिए, यह फिल्म एक साहसी भारतीय सैनिक की कहानी होगी, जिसने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान नागरिकों की जान बचाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। जहां अदिवी सेष ने एक वीर सिपाही का जीवन चित्रित किया, वहीं सई मांजरेकर ने उनकी ऑनस्क्रीन पत्नी की भूमिका निभाई। युवा प्रेम से लेकर बलिदान और समर्थन तक, सई ने अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों के दिल जीत लिए। उन्होंने एक गहरे और गंभीर कथानक में भी अपनी गरिमा और कोमलता के साथ एक अलग छाप छोड़ी, जिसके लिए उन्हें भरपूर सराहना मिली। जैसे-जैसे 'मेजर' जापान में अपनी स्क्रीनिंग के लिए तैयार हो रही है, यह भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहुंच का उत्सव है और साथ ही सई एम मांजरेकर और अदिवी सेष जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों की अभिनय क्षमता को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल रही है।

विक्रम भट्ट ने की नई हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी - घोस्ट्स ऑफ द पास्ट की घोषणा

हॉरर फिल्मों के बेहतरीन निर्देशक विक्रम भट्ट ने अपनी नई हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी: घोस्ट्स ऑफ द पास्ट की घोषणा कर दी है। साथ ही इसके फिल्म की स्टारकास्ट और इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। 2011 में रिलीज हुई हॉन्टेड 3डी का सीक्वल है हॉन्टेड 3डी घोस्ट ऑफ द पास्ट।

इस फिल्म में महाक्षय चक्रवर्ती और चेतना पांडे नजर आएंगे। राज 1920 जैसी हॉरर फिल्मों के निर्देशन के लिए मशहूर विक्रम भट्ट इस फिल्म का निर्देशन करेंगे, जबकि फिल्म का निर्माण आनंद पंडित और राकेश जुनेजा मिलकर करेंगे। हॉन्टेड 3डी के पहले भाग में महाक्षय चक्रवर्ती उर्फ मिमोह चक्रवर्ती और टिया बाजपेयी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। इन दोनों के अलावा फिल्म में अचिंत कौर और आरिफ जकारिया की भी अहम भूमिका थी। यह पहली भारतीय स्टीरियोस्कोपिक 3डी हॉरर फिल्म थी। अब प्रशंसक इसके सीक्वल के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नई शुरुआत...

शेखर कपूर इस्तांबुल फिल्म फेस्टिवल में जूरी अध्यक्ष के रूप में होंगे शामिल

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और कहानीकार शेखर कपूर अब एक नए रोमांचक सफर पर निकल पड़े हैं, जहां वह प्रतिष्ठित इस्तांबुल फिल्म फेस्टिवल में जूरी के चेयरमैन की भूमिका निभा रहे हैं। दशकों और महाद्वीपों तक फैले अपने शानदार करियर के साथ, वे अनुभव, सिनेमा की गहरी समझ और फिल्म निर्माण की कला के प्रति अथाह प्रेम लेकर पहुंचे हैं। फिल्म फेस्टिवल में अपनी भूमिका के साथ-साथ शेखर कपूर एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं—एक शिक्षक की। वे इस्तांबुल के एक प्रमुख फिल्म स्कूल में लेक्चर देंगे, जहां वह युवा फिल्मकारों को मार्गदर्शन देंगे और कहानी कहने की कला, निर्देशन और बदलती दुनिया में रचनात्मक प्रक्रिया को समझने की अपनी गहरी समझ साझा करेंगे। इस नए चरण के बारे में बात करते हुए शेखर कपूर ने उत्साहपूर्वक कहा: एक नई रोमांचक यात्रा पर निकल रहा हूँ... इस्तांबुल फिल्म फेस्टिवल का जूरी चेयरमैन बनकर और वहां की फिल्म स्कूल में पढ़ाना। अच्छा है ना? शिकायत का तो कोई मौका नहीं है। कुछ न कुछ रोमांचक हमेशा होने को इंतज़ार करता है... शायद एक नई शुरुआत?

एलिज़ाबेथ, मिस्टर इंडिया और बैंडिट क्वीन जैसी वैश्विक हिट फिल्मों का निर्देशन करने से लेकर अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में काम करने तक, शेखर कपूर का प्रभाव निर्विवाद है। उन्हें जूरी चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया जाना न केवल उनके सिनेमा में योगदान को सम्मानित करता है, बल्कि यह फेस्टिवल की चयन प्रक्रिया में एक अनूठा और वैश्विक दृष्टिकोण लाने का वादा भी करता है। रेड कार्पेट पर चलने से लेकर अंतरराष्ट्रीय जूरी का नेतृत्व करने तक, शेखर कपूर अब अपनी अगली बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मासूम 2' के निर्देशन के लिए भी तैयार हैं। इस तरह वह न सिर्फ अपनी फिल्मों के ज़रिए सिनेमा के भविष्य को आकार दे रहे हैं, बल्कि उन अनगिनत ज़िंदगियों को भी छू रहे हैं जिन्हें वो प्रेरित करते हैं और उन कहानियों को जीवन देते हैं जिन्हें वे सामने लाने में मदद करते हैं।

मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है: सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर ने अपने करियर को लेकर बात की। इस दौरान खेर ने बताया कि वह अपने काम पर फोकस करती हैं और रिजल्ट की फिक्र नहीं करती हैं। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री एक ऐसी जगह है, जहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की गारंटी नहीं होती। यह पूछे जाने पर कि वह लगातार आगे बढ़ रही इंडस्ट्री में अपेक्षाओं के दबाव को कैसे मैनेज करती हैं, सैयामी ने बताया, दबाव कभी पूरी तरह से खत्म नहीं होता, लेकिन जब आपका ध्यान रिजल्ट के बजाय काम पर होता है, तो सांस लेना आसान हो जाता है। मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है और प्रक्रिया को महत्व देना शुरू कर दिया है। अभिनेत्री ने आगे बताया, मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जो दूसरों को प्रभावित करती हैं। ऐसे किरदार निभाना पसंद है, जो चुनौती देते हैं और मैं अपने काम से ही इस प्रेशर को मैनेज करती हूं। मैंने अभिनय की दुनिया में भी कदम इसी वजह से रखा था, क्योंकि मुझे यह पसंद है। साल 2015 से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली एक्टर को फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा आश्चर्य किस बात से होता है? सैयामी ने कहा, इसकी अनिश्चितता। अभिनेत्री ने कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री की अनिश्चितता से हैरान हूं, जहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की कभी गारंटी नहीं होती।

डे आउट से लेकर नाइट आउट तक - कृष्णा श्रॉफ के पास हैं हर मौके के लिए परफेक्ट फैशन लुक्स!

किसे पता था कि फिटनेस की दुनिया में अपनी मजबूत पहचान बना चुकीं और सफल एंटरप्रेन्योर बन चुकीं कृष्णा श्रॉफ, फैशन की दुनिया में भी इतनी बड़ी नाम हैं? एक बार उनका सोशल मीडिया प्रोफाइल देखिए और समझ जाएगा कि कृष्णा का स्टाइल सेंस कितना डिटेल-ओरिएंटेड और ट्रेंडी है। उनका वार्डरोब हर उस लड़की के लिए है जो उनके फैशन से प्रेरणा लेना चाहती है। बिकिनी से लेकर ड्रेस तक - हर बेसिक लुक उनके पास है। कृष्णा श्रॉफ इस स्ट्रेच फ्लोरल लेस ड्रेस में एक फिगर-हगिंग सिल्हूट मॉडलिंग कर रही हैं, जिसमें एक स्वीपिंग गोडेट स्कर्ट और फ्लूटेड कफ्स हैं, जो इतनी एलिगेंट और फेमिनिन लग रही हैं, जिससे वह एक अप्सरा की तरह दिख रही हैं। छुट्टियों में एक दिन ऐसा ज़रूर आता है जब आप बस पूल के पास लेट कर रिलैक्स करना चाहते हैं। ऐसे में आप कृष्णा श्रॉफ से बिकिनी और स्विमसूट इंस्पिरेशन ले सकते हैं - आखिरकार वो खुद को बीच बेबी मानती हैं। कृष्णा ने एलारिया ऑस्ट्रेलिया ओशन ब्रीज़ स्ट्रैपलेस वन-पीस स्विमसूट पहना है और उसे ज़ारा की रंगीन पैचवर्क रफ़ल स्कर्ट के साथ स्टाइल किया है। वास्तव में, वॉटर बेबी ने अपनी कई बिकनी के साथ स्कर्ट को जोड़ा है, और आप भी ऐसा कर सकते हैं। ये लुक कृष्णा श्रॉफ ने अपने पेरेंट्स की अलमारी से चुना है - ढीली-ढाली आरामदायक पैंट्स और एक क्रोशे क्रॉप टॉप के साथ। गर्मियों की छुट्टियों के लिए एकदम परफेक्ट आउटफिट जिसमें कंफर्ट और स्टाइल दोनों हैं। अगर आप छुट्टियों के दौरान अपने डे-आउट पर क्यूट दिखना चाहते हैं, तो आप कृष्णा श्रॉफ के क्रीम रंग के क्रॉप जम्पर से प्रेरणा ले सकते हैं, जिसे उन्होंने ब्लैक कलर की इलास्टिक वेस्ट वाली जैक्कार्ड हाई-वेस्ट मिनी स्कर्ट के साथ पेयर किया है। अगर ये लुक क्यूट नहीं है, तो फिर कुछ नहीं है!

सम्मानित होंगे सुनील शेट्टी-श्रद्धा कपूर

जल्द ही एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर, एक्टर सुनील शेट्टी के अलावा कई और कला क्षेत्र से जुड़ी हस्तियों को लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। जानिए किस-किस कलाकार को और कब मिलेगा यह पुरस्कार।

जल्द ही लता दीनानाथ मंगेशकर नाट्यगृह में गुरु दीनानाथ मंगेशकर का 83वां स्मृति दिवस को मनाया जाएगा। इस मौके पर एक आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें कला क्षेत्र से जुड़ी कई हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 24 अप्रैल की शाम को मुंबई के विले पार्ले (ई) में आयोजित होगा।

ये लोग होंगे सम्मानित

आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष पद्म विभूषण श्री कुमार मंगलम बिड़ला को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और भारत के विकास में सहयोग के लिए लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड दिया जाएगा। साथ ही सुनील शेट्टी, श्रद्धा कपूर को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। सोनाली कुलकर्णी को भी थिएटर, फिल्मों में अपने उम्दा काम के लिए अवॉर्ड मिलेगा। गायिका रीवा राठौड़ को भी लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड मिलेगा। साहित्य में वाग्विलासिनी पुरस्कार श्रीपालजी सबनीस को मिलेगा। इस आयोजन में थिएटर, फिल्म के कलाकार शरद पोंक्षे और अभिनेता सचिन पिलगांवकर के अभिनय, निर्देशन वाली फिल्मों पर प्रकाश डाला जाएगा, साथ ही अवॉर्ड से सम्मानित भी किया जाएगा।

इस वजह से बिगड़ी बात

रणबीर कपूर की रामायण में ये अहम किरदार निभाने वाले थे जयदीप अहलावत

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को लेकर काफी चर्चाएं हैं। फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर भी नई-नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अब फिल्म में जयदीप अहलावत को भी एक प्रमुख किरदार ऑफर हुआ था। जानिए फिर बाद में क्या हुआ।

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट से लेकर शूटिंग तक को लेकर लगातार समय-समय पर जानकारियां सामने आ रही हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक और जानकारी सामने आ रही है। जिसमें ऐसा बताया जा रहा है कि 'रामायण' में विभीषण के किरदार के लिए अभिनेता जयदीप अहलावत से भी बात की गई थी और अभिनेता इस किरदार के लिए काफी उत्सुक भी थे, लेकिन फिर बात नहीं बन पाई

जयदीप अहलावत थे उत्सुक, लेकिन

इस वजह से रह गए

रिपोर्ट्स की मानें तो विभीषण के किरदार के लिए जयदीप अहलावत मेकर्स की पहली पसंद थे। मेकर्स ने जयदीप अहलावत से इस किरदार के लिए बातचीत भी की। अभिनेता खुद भी इस माइथोलॉजी फिल्म को करने के लिए काफी उत्सुक थे। हालांकि, डेट्स ने जयदीप अहलावत की इच्छाओं पर पानी फेर दिया। अपने शेड्यूल और डेट्स की कमी के चलते जयदीप अहलावत को इस किरदार को मना करना पड़ा। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि निर्माता उन्हें मुख्य भूमिका के लिए लाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन तारीखें बस मेल नहीं खा रही थीं।

विजय सेतुपति का नाम भी था चर्चाओं में

हालांकि, विभीषण के रोल के लिए सिर्फ जयदीप अहलावत ही रेस में नहीं थे। पिछले साल ऐसी चर्चाएं भी काफी थीं कि तमिल सुपरस्टार विजय सेतुपति से भी विभीषण के किरदार के लिए बात की गई थी। हालांकि, बाद में वहां भी बात नहीं बन सकी और विजय सेतुपति भी इस किरदार को निभाने से चूक गए।

साभार एजेंसी